"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गंजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."



पंजीयन क्रमांक ''छत्तीसगढ़/दुर्ग/ सी. ओ./रायपुर 17/2002.''

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 21]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 23 मई 2003-ज्येष्ठ 2, शक 1925

विषय-सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग 2.—स्थानीय निकाय की अधिसूचनाएं.

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधेयक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुर:स्थापित विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक ई-1-5/2003/1/2.—सुश्री शहला निगार, भा. प्र. से. (छ. ग. 2001), सहायक कलेक्टर, बिलासपुर, अपने वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ, आगामी आदेश तक कुल सचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर का कार्य भी संपादित करेंगी. रायपुर, दिनांक 10 मई 2003

क्रमांक 1145/999/2003/1/2.—भारत निर्वाचन आयोग के आदेश दिनांक 9-5-2003 के अनुसार डॉ. के. के. चक्रवर्ती, (भा. प्र. से. 1970), प्रमुख सिचव, छत्तीसगढ़ शासन को छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है.

डॉ. के. के. चक्रवर्ती, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के दायित्वों के साथ-साथ, आगामी आदेश तक प्रमुख सचिव, वन, संस्कृति एवं शिक्षा विभाग के कर्त्तव्यों का भी निर्वहन करेंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एस. के. मिश्र, मुख्य सचिव.

1107

रायपुर, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक एफ 2-8/2003/1-8.—श्री सी. के. देवानी, तदर्थ अवर सचिव, छ. ग. शासन, उद्योग एवं खनिज साधन (सूचना ग्रीद्योगिकी तथा बायोटेक्निक) को तत्काल प्रभाव से उसी हैसियत में वित्त एवं योजना विभाग में पदस्थ किया जाता है.

- श्रीमती अमृता बेक, अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त एवं योजना विभाग, को तत्काल प्रभाव से, उसी हैसियत में, आदिम-जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग में पदस्थ किया जाता है.
- 3. इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 26-3-2003, जिसके द्वारा श्रीमती रेजिना टोप्पो, अनुभाग अधिकारी, छ. ग. मंत्रालय, जल संसाधन विभाग को, अवर सचिव, छ. ग. शासन के पद पर तदर्थ रूप से पदोन्नत करते हुए, आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग में पदस्थ किया गया था, में आंशिक संशोधन करते हुए, उन्हें अब ऊर्जा विभाग में पदस्थ किया जाता है.
- 4. श्री जी. आर. मालवीय, अवर सचिव, छ. ग. शासन, ऊर्जा विभाग को तत्काल प्रभाव से उसी हैसियत में, उद्योग एवं खनिज साधन विभाग में पदस्थ किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, पंक्रज द्वियेदी, प्रमुख सचिव.

गृह (पुलिस) विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 23 अंप्रैल 2003

क्रमांक एफ-16-41/2 (गृह) हो. गा./2003.—आयुक्त का पद समाप्त हो जाने के कारण, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार, छत्तीसगढ़ सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग एक, क्रमांक-7 परिशिष्ट (2) गृह विभाग (नगर सेना) अनुक्रमांक 5, डिवीजनल कमान्डेन्ट नगर सेना के वार्षिक गोपनीय प्रतिवदेन के अनुक्रमांक 5 के कॉलम सं. 4 में शब्द कमिश्नर के स्थान प्रधान सेनानी नगर सेना तथा अनुक्रमांक 5 के कॉलम सं. 5 में प्रधान सेनानी नगर सेना गृह के स्थान पर गृह सचिव स्थापित करती है.

Raipur, the 23rd April 2003

No. F-16/41/2 (Home)/H. G./2003.—The State Government of Chhattisgarh in view of the abolition of the post of Commissioner shall be substituted the word Commissioner, by Director General Home Guards in the column No. 4 of the serial number 5 and Director General Home Guards Homes by Home Secretary in column No. 5 of serial number 5 of the Chhattisgarh General Book Circular Part I No. 7 annexure (2) Home Department (Home Guards) serial Number 5, Annual Confidential Report of Divisional Commandant Home Guards.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, निरंजन दास, उप-सचिव.

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग (सूचना प्रौद्योगिकी) मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 29 अक्टूबर 2001

क्रमांक 137/पी एस/एससीएम/2001/नोटि.—यत: राज्य शासन संतुष्ट है कि सूचना प्रौद्योगिको को प्रोत्साहित करना लोकहित में आवश्यक एवं समीचीन है,

अतएव, राज्य शासन एतद् अनुलग्नक एक में सिम्मिलित उद्योगों को ''सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग'' की परिधि/व्याख्या में सिम्मिलित होना एतद्द्वारा अधिसूचित करता है. तथापि ऊपर वर्णित आइटमों में व्यवसाय करने वाले थोक विक्रेता, फुटकर विक्रेता, विपणन अभिकर्ता, वितरक तथा कन्साइनमेंट एंड फारवर्डिंग (सी एंड एफ) एजेन्ट्स ''सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग'' की परिधि/व्याख्या में सम्मिलित नहीं होंगे .

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सुनिल कुमार, सचिव.

अनुलग्नक-एक

''सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग'' की परिधि/व्याख्या में सम्मिलित उद्योगों की श्रेणियां

- कम्प्यूटिंग डिवाइसेज, जिनमें सिम्मिलित हैं-डेस्कटॉप कम्प्यूटर्स/पर्सनल कम्प्यूटर्स (पी. सी.)/ होम पी सी/इन्टरनेट पी सी, सर्वर्स, वर्कस्टेशन्स, मेनफ्रेम्स, टिर्मिनल्स, डम्ब टिर्मिनल्स, थिन क्लाइंट्स, नेटवर्क पी सी, लॅपटॉप कम्प्यूटर्स/नोटबुक कम्प्यूटर्स, हॅन्ड--हॅल्ड कम्प्यूटर्स/पर्सनल डिजिटल असिस्टेंट्स (पी डी ए), मिनी कम्प्यूटर्स, सुपर कम्प्यूटर्स.
- 2. नेटवर्क कन्ट्रोलर कार्ड/मॅमोरी, जिनमें सिम्मिलित है-नेटवर्क इन्टरफेस कार्ड (एन आई सी), एडॅप्टर्स-ईथरनेट/पी सी आई/ई आई एस ए/कॉम्बो/ पी सी एम सी आई ए, एस आई एम एम-मॅमोरी, डी आई एम एस मॅमोरी, सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सी पी यू), कन्ट्रोलर- एस सी एस आई/ओर, प्रोसेसर्स-माईक्रोप्रोसेर्स/अन्य प्रोसेसर्स, पावर मॉड्यूल/अपग्रेड, सिस्टम ऑन चिप (एस ओ सी).
- 3. स्टोरेज यूर्निट्स, जिनमें सम्मिलित हैं-हार्ड डिस्क ड्राईव्स (एच डी डी)/हार्ड ड्राईव्स, आर ए आई डी डिवाइसेज और उनके कन्ट्रोलर, फ्लॉपी डिस्क ड्राईव्स (एफ डी डी), सी डी रॉम ड्राईव्स, टेप ड्राईव्स-डी एल टी ड्राईव्स/डिजिटल ऑडियो टेप (डी ए टी), ऑप्टिकल डिस्क ड्राईव्स, अन्य डिजिटल उपकरण, मॅमोरी स्टिक्स, जिप ड्राईव्स, इलॅक्ट्रॉनिकली इरेजेबल प्रोग्रामेबल रॉम (ई ई पी रॉम)/फ्लॅश मॅमोरी, रॅम.
- 4. अन्य-की-बोर्ड्स, मॉनीटर्स, माऊसेज/पॉइन्टिंग डिवाइसेज, मल्टी-मीडिया किट्स डिजिटल/वेब कैमरे, डिजिटाईजर्स, स्केनर्स.
- 5. प्रिन्टर एंड आऊटपुट डिवाइसेज, जिनमें सिम्मिलित हैं-डॉट मॅट्रिक्स प्रिन्टर्स (डी एम पी), लेजर जेट प्रिन्टर्स, इंकजेट/डेस्कजेट प्रिंटर्स, एल ई डी प्रिन्टर्स, लाईन प्रिन्टर्स, प्लॉटर्स, पासबुक प्रिन्टर्स, सी. डी. राईटर/रीराईटर डिवाइसेज.
- 6. नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स, जिनमें सम्मिलित हैं-हब्स, राकटर्स एलॅक्ट्रोनिक, स्विचेज, कन्स्न्ट्रेसं, ट्रांसीवर्स, रीमोट ॲक्सॅस सर्वर्स (आर ए एस).

- सॉफ्टवेयर, जिनमें सिम्मिलित हैं-ॲिफ्लिकेशन सॉफ्टवेयर, ऑपरेटिंग सिस्टम (ओ एस), मिडिलवेयर/फर्मवेयर, डेवलपमेंट टूल्स, कम्पाइलर्स, डाटाबेस मेनेजमेंट सिस्टम्स.
- कम्प्यूटरों के लिए पावर सप्लाईज, जिनमें सिम्मिलित हैं-'स्विच मोड पावर सप्लाईज, अनिंटरप्टेड पावर सप्लाईज (यू पी एस).
- नेटवर्किंग/केबलिंग तथा उससे संबंधित ॲक्सेसरीज (सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग से संबंधित)-ऑफ्टिकल फाईबर केबल
- (ओ एफ सी), सिंगल सिंग्नल केवल (कॉपर केवल्स), कर्नेक्टर्स, टर्मिनल ब्लॉक्स, जॅक पॅनल्स, पॅच कार्ड्स, मार्केटंग कॉर्ड्स, पंच पॅनल्स, बॅक बोर्ड्स, वाइरिंग ब्लॉक्स, सरफेस माऊन्ट बॉक्सेज.
- 10 कन्न्यूमेबल्स जिनमें सिम्मिलित हैं-सी डी रॉम/कॉम्पॅक्ट डिस्क, फ्लॉपी डिस्क्स, टेप्स (डी ए टी/डी एल टी), प्रिन्टर रिबन, प्रिन्टर का टोनर, इंकजेट कार्ट्रेज, आऊटपुट डिवाइसेज के लिए इंक.
- 11. कम्प्यूटरों/सूचना प्रौद्योगिको के लिए इलॅक्ट्रॉनिक कम्पोनेट्स, जिनमें सिम्मिलित हैं-प्रिन्टेड सिर्किट बोर्ड (पी सी बी) ॲसेंबली/ पापुलेटेड प्रिंटेड सिर्किट बोर्ड, ट्रांजिस्टर्स, इन्टीग्रेटेड सिर्किट्स/ आई सी, सेमिकन्डक्टर डायोड्स/धायिरस्टर्स/ एल ई डी, रॅजिस्टर्स, कॅपॅसिटर्स, स्विचेज (ऑन/ऑफ, पुश बटन, रॉक आदि), प्लाम/सॉकेट्स/कम्प्यूटरों/इलॅक्ट्रॉनिक्स हेतु प्रयुक्त रिलेज, कम्प्यूटर डिवाइसेज के लिए मॅग्नेंटिक हॅड्स, कम्प्यूटर प्रिन्टर्स के लिए प्रिन्टर हॅड्स, कमॅक्टर्स/माईक्रोफोन्स/कम्प्यूटरों हेतु प्रयुक्त स्पीकर्स, फ्यूजेज.
- 12. टेलिकम्युनिकेशन उपकरण, जिनमें सिम्मिलित हैं-बीडियोफोन्स, फैक्स-कार्ड्स, मिल्टिप्लॅक्सर्स (मक्सेज), मोडॅम्स,
 ऑन्टॅने एंड मास्ट्स, वायरलेस डॅटा-कम्युनिकेशन उपकरण
 जिनमें सिम्मिलित हैं वीडियो और हिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग
 हेतु (आर एफ/डब्लू आई एल एल/ आई ई ई ई 802.11
 स्टैंडर्ड इत्यादि का उपयोग करते हुए) सेंट टॉप बॉक्सेज (एस
 टी बी), ची-सेंट उपकरण, वीडियो-कॉन्फरेसिंग उपकरण,
 आई टी-ॲनेबल्ड सर्विसेज यथा ट्रांसक्राईविंग हेतु उपकरण,
 केबल टी वी नेटवर्क डेंटा कम्युनिकेशन उपकरण जिसमें
 एस टी बी एवं केबल मोडॅम सिम्मिलत हैं, डायरॅक्ट टु होम
 (डी टी एच) डेंटा कम्युनिकेशन उपकरण, ब्रांड बैंड डेंटा
 कम्युनिकेशन उपकरण.
- नोट: कपर वर्णित आइटमों में संव्यवह्मर करने वाले थोक विक्रेता, खेरची विक्रेता, विपणन अभिकर्ता, वितरक तथा कंसाइनमेंट ऑण्ड फॉरवर्डिंग एजेण्ट्स ''सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग'' की परिधि/व्याख्या में नहीं आएंगे.

Raipur, the 29th October 2001

No. 137/PS/SCM/TT/2001/NOTIF.—Whereas the State Government is satisfied that it is necessary as well as expedient to encourage Information Technology Industry in the public interest,

Now, therefore, the State Government notifies the industries included in Annexure I hereto as being included in the scope/definition of "Information Technology Industry". However, the businesses carried on by wholesalers, retailers, marketing agents, distributors and Consignment & Forwarding (C & F) agents dealing in the above items shall not be included within the scope/definition of "Information Technology Industry".

By order and in the name of the Governor of
Chhattisgarh,
SUNIL KUMAR, Secretary.

ANNEXURE I

CATEGORIES OF INDUSTRIES INCLUDED IN THE SCOPE/DEFINITION OF "INFORMATION TECHNOLOGY INDUSTRY"

- (A) Computing devices including: Desktop computers/Personal Computers (PCs)/Home PCs/Internet PCs, Servers, Workstations, Mainframes, Terminals, Dumb terminals, Thin clients, Network PCs, Laptop Computers/Notebook Computers, Handheld Computers/Personal Digital Assistants (PDAs), Mini Computer, Super Computer.
- (B) Network Controller Cards/Memories including:
 Network Interface Card (NIC), Adaptors-Ethernet/
 PCI/EISA/Combo/PCMCIA, SIMMs-Memory,
 DiMS-Memory, Central Processing Unit (CPU),
 Controller-SCSI/ Array, Processors-Micro Processor/other Processors, Power Module/Up-grade,
 System on Chip (SoC).
- (C) Storage Units including: Hard Disk Drives (HDDs)/Hard Drives, RAID Devices & their Controllers, Floppy Disk Drives (FDDs), CD ROM Drives, Tape Drives-DLT Drives/Digital Audio Tape (DAT), Optical Disc Drives, other Digital Storage Devices, Memory Sticks, Zip Drives, Electronically Erasable Programmable ROM (EEPROM)/Flash Memory, RAM.
- (D) Others: Key Boards, Monitors, Mouses/Pointing devices, Multi-media. Kits, Digital/Web cameras,

Digitisers, Scanners.

- (E) Printers and Output Devices including: Dot Matrix Printers (DMPs), Laserjet Printers, Inkjet/ Deskjet Printers, LED Printers, Line Printers, Plotters, Passbook Printers, CD writer/rewriter devices.
- (F) Networking products including: Hubs, Routers, Electronic Switches, Concentrators, Transceivers, Remot Access Servers (RAS).
- (G) Software including: Application Software, Operating System (OS), Middleware/Firmware, Development tools, Compilers, Database Management Systems.
- (H) Power supplies to Computer Systems including: Switch mode power supplies, Uninterrupted Power Supplies (UPS).
- (I) Networking/Cabling & related accessories (related to IT industry): Optical Fibre Cable (OFC), Single Signal Cable (Copper Cables), Connectors, Terminal Blocks, Jack panels, Patch cords, Mounting cords, Patch panels, Back Boards, Wiring blocks, Surface mount boxes.
- (J) Consumables including: CD ROM/Compact Disc, Floppy Discs, Tapes (DAT/DLT), Printer Ribbons, Toners for Printers, Inkjet Cartridges, Inks for Output devices.
- (K) Electronic Components used for Computers/IT including: Printed circuit Board (PCB) assambly/ Populated Printed Circuit Boards, Transistors, Integrated Circuits/ICs, Semiconduc tor Diodes/ Thyristors/LEDs, Resistors, Capacitors, Switches (On/Off, Push button, Rocker etc.), Plugs/Sock ets/relays used for Computers/Electronics, Magnetic heads for computer devices, Printer heads for Computer Printers, Connectors/Microphones/ Speakers used in Computers, Fuses.
- (L) Telecommunication Equipment including: Videophones, Fax cards, multiplexers (muxes), Modems, Antennae & Masts, Wireless data-communication equipment-including Set Top Boxes (STBs) for both Video and Digital Signal Processing using RF/Will/IEEE 802.11 standards etc., V-SATs, Video-Conferencing Equipment, Equipment for IT-enabled services such as transcribing, Cable TV network data communication equipment including STBs & Cable modems, Direct to Home (DTH) data communication equipment, Broadband data communication equipment.
- NOTE: Wholesalers, retailors, marketing agents, distributors and Consignment & Forwarding (C & F) agents dealing in the above items shall not be included within the scope/definition of "Information Technology Industry."

रायपुर, दिनांक 1 अप्रैल 2003

क्र. 823/09 एम आई/2003/वा. उ.—चूंकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि मेसर्स प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, की जांजगीर-चांपा एवं रायपुर स्थित इकाईयों का बोर्ड फॉर इण्डस्ट्रीयल एंड फाइनेन्शियल रिकन्स्ट्रक्शन (बी.आई.एफ.आर.), नई दिल्ली द्वारा Sick Industrial Companies Act-1985 के तहत बीमार इकाई घोषित किया गया है. अत: राज्य शासन म. प्र. सहायता उपक्रम (क्रमांक 32 सन् 1978) की धारा-3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए इन इकाईयों को एक वर्ष की कालाविध के लिए दिनांक 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक की अवधि के लिए सशर्त सहायता उपक्रम घोषित किया जाता है:—

मेसर्स प्रकाश इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के उपरोक्त दोनों इकाईयों को राज्य शासन द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा अमान्य करने पर उक्त सहायता उपक्रम अधिनियम के अंतर्गत किसी भी सुविधा की पात्रता नहीं होगी.

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एम. एस. धुर्वे, विशेष सचिव.

रायपुर, दिनांक 1 अप्रैल 2003

क्र. 823/09 एम आई/2003/वा. उ.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक 823/09 एम आई/2003/वा. उ., रायपुर, दिनांक 1-4-2003 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एम. एस. धुर्वे, विशेष सचिव.

Raipur, the 1st April 2003

No. 823/9 MI/03/C & I.—Whereas the State Government is satisfied that the Board for Industrial and Financial Reconstruction, New Delhi has declared the units of M/s. Prakash Industries Limited namely:—

- (1) M/s. Prakash Industires Limited, Janjgir-Champa,
- (2) M/s. Prakash Industries Limited, as the Sick Industries under Sick Industrial Companies Act, 1985.

Therefore, in exercise of powers conferred by the provision to section 3 of the Madhya Pradesh Sahayata Upkram (Vishesh Upbandh) sansodhan Adhiniyam 1978 (No. 32 of 1978). The State Government hereby declare the industrial units namely Prakash Industries Limited, units located at Janjgir-Champa and Raipur as relief undertaking for a period of one year with effect from 1st April, 2003 to 31 March 2004 under the following condition:—

If the High Power, Committee as may be constituted by the State Government refuse to declare the above two units of M/s. Prakash Industries Limited, as the relief undertaking, then these units under the said Act will not be eligible for any relief.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
M. S. DHURVE, Special Secretary.

ऊर्जा विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 144/211/ऊर्जा विधाग/2003/तेरह.—राज्य शासन एतद्द्वारा श्री एस. सी. ब्यास, अधीक्षण यंत्री (विद्युत सुरक्षा) एवं मुख्य विद्युत निरीक्षक रायपुर को उनकी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने फलस्वरूप दिनांक 30-4-2003 अपरान्ह से सेवानिवृत्त किया जाता है.

- 2. श्री आर. के. जायसवाल, कार्यपोलन यंत्री, (वि. सु.) एवं संभागीय विद्युत निरीक्षक रायपुर को तत्काल प्रभाव से, आगामी आदेश तक अपने वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ अधीक्षण यंत्री, (वि. सु.) एवं मुख्य विद्युत निरीक्षक, विद्युत निरीक्षकालय रायपुर के पद का चालू प्रभार मय वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों सहित सौंपा जाता है.
- 3. श्री जायसवाल के वेतन आदि का आहरण पूर्व पदस्थ स्थान से ही आहरित होगा.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, ंजी. आर. मालबीय, अवर सचिव.

विधि और विधायी कार्य विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003 /

क्रमांक 2861/2003/विधि.—राज्य शासन एतद्द्वारा प्रो. डा. जोस पी. वर्गीस, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर को हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के विशेष अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से रुपये 25,000/- (रुपये पच्चीस हजार) केवल निर्धारित वेतनमान पर नियुक्त करता है. उनकी सेवा शर्तों के संबंधी निर्देश पृथक् से जारी किये जायेंगे:

छ्त्रीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, जे. के. एस. राजपूत, सचिव.

रायपुर, दिनांक 25 अप्रैल 2003

क्रमांक डी 2824/21-अ (स्था.)2003/छ. ग.—श्रीमती बिवियाना कुज़्र, सहायक वर्ग-1, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अस्थाई रूप से, आगामी आदेश तक, अनुभाग अधिकारी, छत्तीसगढ़ शासन, विधि विभाग के पद पर वेतनमान 6500-200-10500 में तदर्थ रूप से पदोन्नत कर नियुक्त किया जाता है.

क्रमांक डी 2824/21-अ (स्था.) 2003/छ. ग.—श्री प्रेम नारायण त्रिपाठी, सहायक वर्ग-1, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अस्थाई रूप से, आगामी आदेश तक, अनुभाग अधिकारी, छत्तीसगढ़ शासन, विधि विभाग के पद पर वेतनमान 6500-200-10500 में तदर्थ रूप से पदोत्रत कर नियुक्त किया जाता है. क्रमांक डी 2824/21-अ (स्था.) 2003/छ. ग.—श्री एच. एल. शर्मा, सहायक वर्ग-1, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक, अनुभाग अधिकारी, छत्तीसगढ़ शासन, विधि विभाग के पद पर वेतनमान 6500-200-10500 में तदर्थ रूप से पदोत्रत कर नियुक्त किया जाता है.

क्रमांक डी 2824/21-अ (स्था.) 2003/छ. ग.—श्री महादेव आगरकर, सहायक वर्ग-1, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, महाधिवक्ता कार्यालय, विलासपुर में कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से, अस्थाई रूप से, आगामी आदेश तक, प्रशासनिक अधिकारी अनुभाग अधिकारी के पद पर वेतनमान 6500-200-10500 में तदर्थ रूप से पदोन्नत कर नियुक्त किया जाता है.

क्रमांक डी. 2824/21-अ (स्था.)2003/छ. ग.—श्री दुर्गा प्रसाद पाराशर, सहायक वर्ग-1, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अस्थाई रूप से, आगामी आदेश तक, अनुभाग अधिकारी, छत्तीसगढ़ शासन, विधि विभाग के पद पर वेतनमान 6500-200-10500 में तदर्थ रूप से पदोन्नत कर नियुक्त किया जाता है.

''प्रमाणित कियां जाता है कि उपरोक्त पदोन्नति में आरक्षण नियम का पूर्ण रूप से पालन किया गया है''.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, शकुन्तला दास, अतिरिक्त सचिव.

पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भनन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 20 जनवरी 2003

क्रमांक 162/एफ-3-10/99-बत्तीस/2002.—राज्य शासन द्वारा अंगीकृत रायपुर विकास योजना (उपांतरित-2011) में अत्यावश्यक लोक प्रयोजनार्थ उपांतरण हेतु छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 23 (क) (2) के अधीन सूचना क्रमांक 1431/ उपस/प.न.वि./2002, रायपुर, दिनांक 24 अगस्त, 2002 जारी की गयी थी, इसका प्रकाशन दो दैनिक समाचार पत्रों में दिनांक 28-10-2002 एवं 29-10-2002 को किया गया था. सूचना में उल्लेखित निश्चित समयाविध के भीतर प्रस्तावित उपांतरण के संबंध में कोई आपित्त या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं. अत: राज्य शासन ग्राम तेलीबांधा जिला रायपुर के खसरा क्रमांक 616/6 कुल रकवा 1.202 हेक्टर भूमि की सूचना में उल्लेखित भूमि उपयोग कृषि को उपांतरित कर सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग करने की पृष्टि करता है तथा उसे अंगीकृत रायपुर विकास योजना (उपांतरित 2011) का एकीकृत भाग घोषित करता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, जे. एस. दीक्षित, अवर सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 3244/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	5	भूमि का वर्णन			धारा 4 की उपधारा (2)		सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम		लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		का वर्णन
(1)	(2)	(3)	•	(4)	(5)	•	(6)
राजनांदगांव	डोंगरगढ़	कोलिहापुरी		2.00	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.		भरवाटोला जलाशय की उलट नाली हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी (राजस्व), डोंगरगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 3245/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

·	3.	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	डोंगरगढ़	पटपर	10.19	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	भरेवाटोला जलाशय की उलट नाली हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी (राजस्व), डोंगरगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 अप्रैल 2003

. क्रमांक 3246/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	8	र्मि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन ं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	डोंगरगढ़	रूवांतला	7.86	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	पुरैना जलाशय की उलट नाली हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 3247/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

·		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्रत्न	लगभग क्षेत्रफल (एकड़.में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1).	(2)	· (3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	डोंगरगढ़	मनकी प .ह.नं. 68/8	22.95	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	पुरैना जलाशय के डुबान क्षेत्र के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी, डोंगरगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 3248/भू-अर्जन/2003. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इ्ससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दो जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	डोंगरगढ़	जारवाही प.ह.नं. 66/5	25.36	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	ंपुरैना जलाशय के डुबान क्षेत्र के लिए.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी (राजस्व), डोंगरगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 3249/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सृचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

·	ŝ	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	डोंगरग ढ़	सहसपुर ,	14.39	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	. पुरैना जलाशय की उलट नाली एवं बांधपार हेतु.

भूमि का नक्शा (ग्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी (राजस्व), डोंगरगढ़ के कार्यालय में देखा जो सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, डी. के. श्रीवास्तव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव. कार्यालय, कलेक्टर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

अम्बिकापुर, दिनांक १ मई 2003

क्रमांक 920/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा. (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

	. 9	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		ं का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	٠.	(6)
सरगुजा	सामरी	रेहड़ा	´ 1.776	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, क्रमांक 2, अम्बिकापुर.		ः चन्द्रनगर जलाशय योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एस. के. राजू, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

, बिलासपुर, दिनांक 23 <u>दिसम्बर 2002</u>

क्रमांक 1/अ-82//2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकत करता है:—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	सिलदहा प.ह.नं. 36	2.914	कार्यपालन यंत्री, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर (छ. ग.)	भेरवा जलाशय डूबान क्षेत्र

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 5 फरवरी 2003

क्रमांक 2/अ-82//2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित क्रमांक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	घुठेली प.ह.नं. 36	11.668	कार्यपालन यंत्री, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर (छ. ग.)	भेरवा जलाशय ड्रुबना क्षेत्र हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व मुंगेली में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 5 फरवरी 2003

क्रमांक अअ-82//2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पंड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धरा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जिलासपुर	मुंगेली	मर्राकोना प.ह.नं. 43	0.720	कार्यपालन यंत्री; खारंग जल संसाधन संभाग, विलासपुर (छ. ग.)	भेरवा जलाशय शाखा नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्तान) अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व मुंगेली में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 2002

क्रमांक 4/अ-82//2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विणित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उछ्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन.
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
बिलासपुर	मुंगेली	लखुवाडीह प.ह.नं. 45	11.668	कार्यपालन यंत्री, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर (छ. ग.)	भेरवा जलाशय शाखा नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, आर. पी. मण्डल, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 7 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 12/अ-82/सन् 2002-2003.—चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने को संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते है :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की ,उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	- नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
रायगढ़	• रायगढ़	कोटमार प.ह.नं. 18 सियारपाली प.ह.नं. 19 महुआपाली प.ह.नं. 20	2.861 44.046	महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायगढ़.	औद्योगिक प्रयोजन हेतु भू- अर्जन में. इण्ड एग्रो सिनर्जी लिमि. नागपुर के स्पंज ऑयरन प्लांट की स्थापना हेतु.
			योग 77.917		

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 7 मई 2003.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 13/अ-82/सन् 2002-2003. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ़	पतरापली प. ह.नं. 18	25.507	महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायगढ़.	औद्योगिक प्रयोजन हेतु भू- ' अर्जन मे. वीशा इण्डस्ट्रीज
		कोटमार प.ह.नं. 18	40.104		लिमि. कोलकाता के इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट एवं केप्टिव पॉवर
		योग	65.611		प्लांट के स्थापना हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन,राजस्व विभाग

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/125.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय को सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				' धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	आमगांव प.ह.नं. 8	0.903	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	आभगांव सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भृमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी हसेदव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/126.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1394) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित च्यित्तयों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

् भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	हसीद जै ज़ै पुर	आमाकोनी प.ह.नं. 20	2.182	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	आमाकोनी माइनर बरदुली वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/127.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू जहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ं जांजगीर–चांपा	हसौद - जैजैपुर	हरदीडीह प.ह.नं. 20	0.300	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	कचन्दा सब डिवीजन डी. ब्यू नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/128.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	n
अन्र	रूचा

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	. तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) •
जांजगीर-चांपा	ं जैजैपुर	गाडामोर प.ह.नं. 18	2.227	. कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संधाग क्र. 3, सक्ती.	गाड़ामोर मायनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर, के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/129.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा-आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर *•	रीवांडीह प.ह.नं. 20	3.037	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	मायनर 2 R/कचुंडा उप वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/130.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	गुचकुलिया प.ह.नं. 10	0.392	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर स. क्र. 3, सक्ती.	गुचकुलिया मायनर पूरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

् जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/131.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्देखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं ;—

अनुसूची

	9	रूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1) .	· (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	काशीगढ़ प.ह.नं. 9	0.069	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती:	काशीगढ़ माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/132.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	अमलीटिकरा प.ह.नं. 3	0.441	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	मरकाम गोढ़ी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/133.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर- चांपा	सकी	अमलडीहा प.ह.नं. 6	4.741	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	मरकाम गोढ़ी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन#134.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दो जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•	9	गूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
. जिला ·	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	· (3)	(4)	(5)	(6),
जांजगीर- चां पा	जैजैपुर	जैजैपुर प.ह.नं. 14	4.112	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो , नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	जैजैपुर माइनर क्र. 2 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/135 .—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	जर्वे प.ह.नं. 26	1.766	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	गांडरमोर माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/136.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एंडने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
ज़िला	तहसील	नगर/ग्राम.	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	जर्वे प.ह.नं. 26	0.936	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	परसाडीह शाखा वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/137.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियां को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	• का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)·	(5)	(6).
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	वरेकेल खुर्द प.ह.नं. 21	3.404	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	-वरेकल माइनर एवं व्रेन्च माइनर I आर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/138.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	•
अन	सचा

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम,	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3) .	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	परसाडीह प.ह.नं. 25	5.188	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	परसाडीह वितरक शाखा नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/139.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू-नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	्र भूमि का वर्णन			धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u>জিলা</u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	ंसकी	टेमर प. ह. नं. 8	1.432	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टेमर माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/140.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक्कु प्रयोजन के लिये आवश्यकर्ता है, अथवा आवश्यकर्ता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	•	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल • (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	जामपाली प.इ.नं. 4	- 2.711	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र., खरसिया	धांगरपारा माइनर हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

र्जाजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/141.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के इपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा • प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सकी	हरदा प.ह.नं. 7	2.179	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	हरदा माइनर नहर निर्माण हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/142. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संविधत व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम, की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधा्रा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	. का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर- चांपा	मालखरौदा	सपिया प.ह.नं. 9	0.040	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	पूरक प्रकरण खरसिया शाखा नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/143.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सकी	मोहगांव प.ह.नं. 2	0.154	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	खरसिया शाखा नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/144.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संवंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन .	-	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल .(हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा •	सक्ती	नंदौरखुर्द. प.ह.नं. 12	1.659	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बागो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	सूबाडेरा माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/145.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	संकी	मानिकपुर प.ह.नं. 2	0.749	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	खरसिया शाखा नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/146.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

			9
अ	नर	₹ŧ	П
٠,	7,	Α.	4 1

	9	मूमि का वर्णन	• .	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में). '	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	. (5)	(6)
जॉजगीर-चांपा	सक्ती	र्जोगरा प.ह.नं. 6	0.918	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो मंडल, खरिसया 5.	खरसिया नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/147.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उक्षेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम-	लंगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा •	सकी	नवापारा खुर्द प.ह.नं. 5	0.833	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	डोगिया माइनर नहर निर्माण हेतु.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/148.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू— अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू—अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आराय को सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

् भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	 सार्वजनिक प्रयोजन 	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	, लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	सक्ती	अजोरीपाली प.ह.नं. 4	1.472	कार्यपालन यंत्री, मिनीभाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	अजोरीपाली माइनर नहर निर्माण हेतु.	

भूमि का नंक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 26 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/149.—चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के तिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की राज्य दो जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का "प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	रूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	आमापाली प.ह.नं. ४	0.679 .	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	अजोरीपाली माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/150.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथबा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मूमि का वर्णन		्धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	· काचर्णन
(1)	(2)	. (3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	जुड़गा प.ह.नं. ४	1.299	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया्.	अजोरीपाली माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/590.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्येखित अधिकारी को टक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपभारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर- चांपा	मालखरौदा	बुंदेली प.ह.नं. 8	6.646	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	कटारी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/591.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल [,] (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	ढिमानी प.ह.नं. 7	. 6.188	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	भागोडीह माइनर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

ं जांजगीर-चांपा, दिनांक ८ मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/610.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपजन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3).	(4) ~	(5).	(6)	
जांजगीर-चांपा '	डभरा	ढंकुनाभांठा प.ह.नं. 4	3.148	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	खँरा मुझ माइनर गिरगिरा माइनर नहर निर्माण हेतु.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है

क्रमांक क/भू-अर्जन/630.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা •	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन ं.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	मोहगांव प.ह.नं. 2	1.991	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	टेम्पा भाठा माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेुद्ध परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/631.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उराकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :---

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसोल	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का ब्वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	• (5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	सोंठी प.ह.नं. 6	1.606	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	सोंठी माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है:

क्रमांक क/भू-अर्जन/632.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संवंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
· (1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सकी ,	· सिंघनसरा प.इ.नं. १०	0.546	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	सोंठी माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालयू में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक क/भू-अजन/633.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपभारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	भ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1),	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगोर-चांपा	जैर्जंपुर *	भोधिया	1.600	कार्यपालन यंत्री	मलनी वितरक नहर

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/634.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू— अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं हांगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_^
स्यास	Ŧ
~ 1.14	141

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजर्निक प्रयोजन 🥍	
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	अकलसरा प.ह.नं. 11	0.209	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग,	अकलसरा सब गाइनर 🍨	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

्जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/635.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 को उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्हेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (9)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	अकलसरा	1.103	कार्यपालन यंत्री	मुरलीडीह डिस्ट्रीब्यूटरी

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/636.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्ने अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

•	* '	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	गुचकुलिया प.ह.नं. 10	0.121	कार्यपालन यंत्री, भिनीमाता नहर संभाग क्र. 3.	गुचकुलिया माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा ज़ा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/637.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में निर्णत भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	₹	गर्वजनिक प्रयोजन
जिला .	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी		का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	•	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	कोटेतरा	1.555	कार्यपालन यंत्री	मुरल	ीडीह डिस्ट्रीब्यूटरी

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/638.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उक्षेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

, भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लंगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन *
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर •	कलमीडीह प.ह.नं. 4	0.048	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो ै नहर संभाग क्र. 3.	सक्ती, शाखा नहर के अंतर्गत कलमीडीह माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जंब/639.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन्•1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (त्र) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपवंध होते हैं :—

अनुसूची

	. 9	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सर्विजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील ·	नग्र∤ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
. जांजगीर- चांपा	ं जैजैपुर	ठठारी प.ह.नं. 1	0.536	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता योगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	सोनसरी सब-माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सुकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/640.—च्ंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्रामः	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	• टठारी प.ह.नं. 1	1.339	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 3, सक्ती.	सोनसरी माइनर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक कं/भू-अर्जन/641.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की बारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

****	•	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ को उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)•	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) · ·
जांजगीर-चांपा	सक्ती	जगदल्ला प.ह.नं. <i>4</i>	2.931	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	ढोलनार वितरक नहर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/642.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्थों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का 'प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	गूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2).	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	सक्ती	बैलाचुवॉ प.ह.नं. 4	0.642	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	बैलाचुवॉ माइनर हेतु	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 8 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/643.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
সিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) ·
जांजगीर-चांपा	सक्ती	देवरी	1 .744	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 5, खरसिया.	ढोलनार वितरक नहर

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/644.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	, 9	्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	बैलाचुवॉ प.ह.नं. ४	0.447	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	अंजोरीपाली माइनर हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एम. आर. सारची, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कोरबा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

कोरबा, दिनांक 14 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/03/5669.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कोरबा	कटघोरा	वतारी	20.25	महाप्रवंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोरवा (छ. ग.)	कोल बेनीफिकेशन संयंत्र.

भूमि का नक्सा (प्लान) अरुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कटघोरा के न्यायायलय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, ईशिता राथ, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.

321

322

0.04

0.06

			•	•	
. राजस्व	। विभाग ः		(1)		(2)
	जला दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं	•			
·	छत्तीसगढ़ शासन राजस्व		288		0.04
·	•		289/7		0.03
Iq	भाग		289/16		0.03
ਤਾਂ ਇਤਾਂਕਾ 1	, ਮਨ ਸਵਾਕਰੀ 2002		293		0.10
ધુન, ાલનાજ 2	१० फरवरी 2003		305		0.10
क्रमांक 614/प्र. 1/अ.वि. अ.	—चूंकि राज्य शासन को इस बात का		273		0.12
समाधान हो गया है कि नीचे दी गई	अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि	•	269		0.12
की अनुसूची के पद (2) में उर	श्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए		147	•	0.02
आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन्		148		0.02
	त इसके द्वारा यह घोषित किया	•	132		0.28
जाता हाक उक्त भूमि की र है:—	उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता				
			131	•	0.40
প্	ा		128		0.03
()	-		863	•	0.50
(1) भूमि का वर्णन-			912		0.16
(क) जिला-दुर्ग (क)	•		925		0.45
(ख) तहसील-धमधा			307		0.11
. (ग) नगर/ग्राम-बिरझ (घ) लगभग क्षेत्रफल-			297		0.10
(व) लगमग क्षत्रफल-	-5.83 हक्टबर		916	•	0.25
खसरा नम्बर	रकबा		915/2	•	0.45
GUU 1740	(केक्टेयर में)		449/1		0.40
(1)	(2)		449/2		
(, ,	(2)		429		0.60
490	0.15				
474/1	0.10	योग	40	77040	5.83
474/2	0.09				<u> </u>
473/3	0.09	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-अकोली जलाशय		ा है-अकोली जलाशय	
411	0.07	· की शाखा नहर.			
412	0.06				
415/1	0.03				ागीय अधिकारी (रा.)
415/2	0.02	दुर्ग	के कार्यालय में कि	या जा सकता हैं.	•
416/1	0.06				
386	0.13 .				•
418	0.11		दुर्ग, दिन	नांक 5 मार्च 200 3	
420	0.17	ವಾಗ		·	-:
356	0.14	क्रम। को स्माना	फ 77ञ-827भू-अ त का समाधान हो ग	ਯਾ//2000−2001. ਗ ਵੈ ਕਿ ਜੀਜੇ ਨੀ ਸਤ	—चूंकि राज्य शासन अनुसूची के पदः(1)
354	0.06	में वर्णित '	य नगरानापात हा प्र भूमि की अनसची के	ना र जिल्लाच दा पश् । पद (२) में उन्हेरिक	त सार्वजनिक प्रयोजन
337	0.08	के लिए उ	र्या ना नाउपूरा ना मावश्यकता है. अत	ा: भ्-अर्जन अधि ^ह	तेयम, 1894 (क्रमांक
339	_0.06				के द्वारा यह घोषित

है :--.

एक सन् 1894)की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित

किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता

योग

अनुसूची

- ं (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-वेमेतरा
 - (ग) नगर/ग्राम-सनंकपाट, प. ह. नं. 22
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.48 हेक्टेयर

खसरा नम्बर		रकबा
		(हेक्टेयर में)
(1)	•	(2)
246	•	0.08
254	•	0.16
301		0.05
307	1	0.11
337/1		0.06
- 176	·	0.13
306	ب	0.16
253		0.17
300		0.15
297		0.01
324 [']		0.12
175		0.07
126		0.21
		1.48

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-छितापार जलाशय के नहर निर्माण में प्रभावित.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक 3/अ-82/भू-अर्जन//2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस जात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-बेमेतरा
 - (ग) नगर⁄ग्राम-कोदवा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.51 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	, रकबा (रे रोक्स	٧,
(1)	्हेक्टेयर में (2)	1)
623	0.05	•
624	0.02	
625	0.03	
• 669	0.06	
626/2	0.07	
670/2	0.02	
672	0.04	
671	0.02	
683	. 0.03	
684	0.03	
6 85	0.02	
686	0.02	,
670/1	0.03	
687	` 0.04	
•688	0.03	
योग	0.51	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-मरजादपुर जलाशय नहर निर्माण.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक 5/अ-82/भू-अर्जन//2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-बेमेतरा
 - (ग) नगर/ग्राम-बहरबोड़, प. ह. नं. 5
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-8.07 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा .
(1)	(हेक्टेयर में) (2)
01	1.64
176	0.20
38/1	0.70
48/1	1.68
40/1	0.34
25	2.29
51	0.20
46	0.15
32	0.53
40/2	0.34
योग	8.07

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-मरजादपुर जलाशय योजना के डूबान में प्रभावित.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक 6/अ-82/भू-अर्जन//2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-वेमेतरा
 - (ग) नगर/ग्राम-पेंड्रीतराई, प. ह. नं. 16
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.34 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में
(1)	(2)
1378	0.01
1384	0.01
1413	0.01
1541 .	0.11
1543/1	0.03
1381	0.01
1409	0.08
1426 ·	0.01
1548	0.01
1543/2	0.03
1407	0.03
योग	0.34

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सकरी फेस-2 योजना के अंतर्गत मुख्य नहर निर्माण में प्रभावित.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक 8/अ-82/भू-अर्जन//2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-वेमेतरा
 - (ग) नगर/ग्राम-लोलेसरा, प. ह. नं. 24
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.90 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
-11/8	0.06
123/2	0.03
128	0.05
203	0.09
579/1	0.10
590/2	0.13
. 121	0.10
136	0.07
162/1	0.05
207	0.01
589/1	0.11
590/3	0.10
योग	0.90

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-करूवा व्यपवर्तन के अंतर्गत गांगपुर माइनर निर्माण.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक १/अ-82/भू-अर्जन//2001-2002. —चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-बेमेतरा
 - (ग) नगर/ग्राम-भुरकी
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1,20 हेक्टेयर

. खसरा नम्बर :	रकवा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
466	0.01
468	0.06
470	0.01
471	0.12
472	0.09
473	0.04
477	0.22
478	0.01
_ 480	0.20
481	0.28
. 482	0.16
योग ,	1.20

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-हथमुड़ी व्यपवर्तन के मुख्य नहर निर्माण.
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक 10/अ-82/भू-अर्जन//2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894)की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

योग

अ	न	स	ची
	৽	`C\	

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-नवागढ़
 - (ग) नगर/ग्राम-खाम्ही, प. ह. नं. 7
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-13.37 एकड्

खसरा नम्बर	रक्षा
	(एकड़ में)
(1)	(2)
114/1	. 0.64
115/4	
114/2	0.64
115/9	
138/7	0.70
114/3	0.57
115/10	
115/3	1.43
115/2	0.75
115/7	2.43
120	
121/1	
122/2	
115/1	1.69
115/8	1.25
115/13	0.08
117	0.83
134/1	0.28
134/3	· 0.27
134/4	0.27
138/6	0.55
139 •	0.29
324	0.03
325	
326	0.05
357/4	0.02

, (1)	(2)
259/1 क, ख, ग 259/2 क, ख	0.60

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-मोहरेंगिया व्यपवर्तन योजना के डूबान में प्रभावित.

13.37

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक 11/अ-82/भू-अर्जन//2000-2001. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-बेमेतरा
 - (ग) नगर/ग्राम-कोसा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.01 हेक्टेयर

रकबा
- (हेक्टेयर में) - (2)
0.14
0.13
0.07
0.03
0.02
0.10
0.08
0.27

(2)

(1).

			_
	(1)	(2)	
	288	0.09	
	301	0.07	
	305	0.01	
योग		1.01	
વાગ		1.01	
(2) सार्वज माइनर निम		ये आवश्यकता है-भनसुली	
(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी			

दुर्ग, दिनांक 5 मार्च 2003

कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

क्रमांक 15/अ-82/भू-अर्जन//2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894)की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - . (क) जिला-ंदुर्ग
 - (ख) तहसील-बेमेतरा
 - (ग) नगर/ग्राम-भुरकी
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-11.18 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
24	0.58
25/1	0.50
25/2	. 0.19
29 •	1.17
30	1.18
€8/2	0.32
70 -	0.35

	•
72	0.28
26	0.35
33	0.31
32/2	0.40
27 .	0.25
28	1.37
66	0.75
73	0.15
75	0.09
941	0.01
32/1	0.58
56	0.61
57	0.23
58/3	. 0.16
62	0.13
65 .	0.06
67	0.20
68/1	0.16
69	0.09
71	0.22
76	0.13
49	0.36
	11.18

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-भुरकी जलाशय निर्माण

योग

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बेमेतरा में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 4 अप्रैल 2003

क्रमांक 300/प्र. 1/2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उक्षेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-साजा
 - (ग) नगर∕ग्राम-केंवतरा, प. ह. नं. 23
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.19 एकड्

खसरा नम्बर	रकबा
	. (एकड़ में)
(1)	(2).
•	•
100	0.12
677/3	0.07
योग	0,19

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सुरहीकर्रा व्यपवर्तन मुख्य नहर निर्माण
- (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) साजा के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 4 अप्रैल 2003

क्रमांक 301/प्र. 1/2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-दुर्ग
 - (ख) तहसील-साजा
 - (ग) नगर/ग्राम-कोंगियाकला, प. ह. नं. 20
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.14 हेक्टेयर

7	खसरा नम्बर	-26	रकवा (हेक्टेयर में)
	(1)		(2)
	78/1		0.14
योग			0.14

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सुरहीकर्रा व्यपवर्तन मुख्य नहर ढाप फीडर निर्माण.
- (3) भूमि कें नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) साजा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, आई. सी. पी. केशरी, कलेक्टर एवं पदेन अतिरिक्त सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 24 फरवरी 2003

क्रमांक 1/अ-82/2002-03.— चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णिन भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-बिलासपुर
 - (ख) तहसील-बिलासपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-देवरीखुर्द
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.700 हेक्टेयर.

	बसरा नम्बर •	रकबा (हेक्टेयर में)	अ्	नुसूची
	(1)	(2)	(1) भूमि का वर्णन-	
			(ग) गूर्ण वर्ण वर्णा (क) जिला-जांजगीर	–चांपा (छत्तीसगढ)
•	7	0.105	(ख) तहसील-डभरा	
	20	0.040	(ग) नगर/ग्राम-खैरम्	
	8 .	0.081	(घ) लगभग क्षेत्रफल	
	9	0.081	(-1) (1 1 1 3 - 1 1 1	
	10	0.032	खसरा नम्बर	रकबा
	ं 11 से	0.028		(हेक्टेयर में)
•	13/1 से	0.101	(1)	(2)
	17	0.040		
	18	0,040	934/1 .	0.069
	118	. 0.036	956	0.012
	117	0.016	935	. 0.133
	119/2	- 0.048	1006	0.133
	120/2	0.012	1007	•
	111	0.024	1004	0.028
	125/2	0.012	1005	
	-		931/5	0.117
योग	15	0.700	976/1 क	0.077
			940/2	0.073
		उसके लिये आवश्यकता है-बिलासपुर	1075	0.004
व्यप	वर्तन योजना हेतु.		939	0.020
			940/1	. 0.044
) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी	1082/3	0.061
(रा	जस्व), बिलासपुर ^{दे}	के कार्यालय में किया जाता है.	941	0.061
			942	0.077
	•	पाल के नाम से तथा आदेशानुसार,	943	
	आर. पी. म	मण्डल, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.	947	0.061
	,		1014	0.093
			954	0.040
का	र्यालय, कलेक्ट	टर, जिला जांजगीर-चांपा,	955	0.077
<u> छत्तीस</u>	गढ एवं पदेन ३	उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन	957/4	0.028
	•	ास्व विभाग	959/7	0.073
	. (1)		1002/2	0.012
•	जांजगीर-चा	प्पा, दिनांक 3 मई 2003	946/1	0.008
	9/19/-110	11, 14 11-1 5 14 2005	946/2	
क्र. 47	75/सा-1/सात.—च	र्देकि राज्य शासन को इस बात का समाधान	958	0.028
हो गया है	कि नीचे दी गई 3	भनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की	957/1 .	0.008
अनुसूची	के पद (2) में	उस्त्रेग्वित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	959/2	0.040
आवश्यक	ता है. अत: भू-अ	र्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	959/3	0.008
		धिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	1002/3	0.061
इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त			965/2	0.061
प्रयोजन व	के लिए आवश्यक	ता ह :—		
		*		

	(1)	(2)
	963/2	0.061
9	962/1	0.012
Ģ	962/2	
97	76/1 ग	0.061
	1082	0.053
'n	013/1	0.049
10	13/2 क	
· 1	010/2	0.040
. 1	011/2	•
1	013/1	0.032
10	13/ 2 ख	•
1	010/3	0.032
1	011/3	
. 1	013/1	0.012
10)13/2 ग	
1	082/4	0.057
1	081/4	0.061
· 1	081/3	
1	081/2 _	0.020
1	081/1	0.016
	1076	0.081
	1078	0.016
	1077	0.044
•	931/1	0.032
योग _	45	• 2.186

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-लिचाई पाली ब्रान्च माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 5 मई 2003

क्र. 577/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-चुरतेला, प. ह. नं. 7
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.663 हेक्टेयर

खसरा नम्बर		रकवा
		(हेक्टेयर में)
(1)		(2)
971/1		0.089
968/1		0.101
967/1		0.049
- 967/3		0.057
966/3		0.097
949	•	0.129
1087		0.012
966/2		0.016
1123/1		0.061
950		. 0.085
953		0.101
954		0.170
1077/1		0.117
1077/2		
1076/2	: .	0.020
1076/4		0.008
1082		0.089
1083/3		0.077
1083/6		
1089/2		0.032
1084/3		. 0.049
1084/2		0.012
1083/6		0.040
1083/2		0.061
1085		0.061,
1088/1 ख		0.089
1089/1		0.049
1086		0.040
1115/1		0.020
1115/2		0.045
1115/5		0.077
1114/4		0.057
11117	-	0.107

1114/3

0.186

(1)	(2)
1114/6	- 0.045
1205/2	0,231
1205/8	. 0.024
1124	0.267
योग	2.663

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गोबरा सब डी. बाय.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 5 मई 2003

क्र. 578/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-गोबरा, प. ह. नं. 7
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.703 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा (हेक्टेयर में)	
(1)	(2)	
949	0.020	
950/	0.061	
1, 2, 3, 4		
952	0.072	
951	0.121	
898/2	0.016	

	(1)		(2)
	897		0.040
	896	`	0.069
	845/3		0.004
•	845/1		0.004
	871/3		0.093
	846/1		0.049
	870/1		0.085
	870/2		0.069
			•
योग	13		0.703

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-तुरकाडीह. माइनर.
- . (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्या, दिनांक 5 मई 2003

. क्र. 579/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्तं प्रयोजन के लिए आवश्यकता हैं:— .

. अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-कुसमुल, प. ह. नं. 5
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.949 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
•	. (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
422	. 0.028
423/1	0.008

(1)	(2)	खसरा नम्बर	रकवा [.] (हेक्टेयर में)
423/2	0.008	(1)	(2).
428/1	0.049	(1)	(2).
427/2	0.036	352 •	0.028
426/3	0.036	351/2	0.085
428/2	0.012	337/3	0.085
429/1	0.061	350	0.101
429/3	. 0.133	349	0.113
455/1	0.247	50/2	0.109
455/3		49/2	0.109
431	0.065	50/22	*****
422 1	0.137	50/7	0.057
⁷³² ग	'	50/3	0.097
456	0.085	332	0.154
. 458/2	0.004	50/15	0.049
465/1 क [0.040	346/1	0.045
466/1	76	• 346/2	0.016
, •		50/10	0.016
योग	0.949	♦ 50/13	0.069
		153	0.101
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिस	के लिये आवश्यकता है-फरसवानी	342	0.053
माइनर.	•	339	
	•	343	0.028
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का	निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव	335	0.028
परियोजना जांजगीर के कार	र्यालय में किया जा सकता है.	330	0.053
		155	0.081
	,	156	
जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 5 मई 2003	45	0.040
•		331/2	0.057
	राज्य शासन को इस बात का समाधान	331/1	0.028
	पूची के पद (1) में वर्णित भूमि की	329	0.028
	खित सार्वजिनक प्रयोजन के लिए	172	. 0.089
	ा अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् नेयम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	50/5	0.073
	।। जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	325/2	0.186
प्रयोजन के लिए आवश्यकता		325/3	
	•	323/1	0.097
अ	नुसूची	154	0.053
٠,	3.7.	157	0.032
(1) भूमि का वर्णन-		158	0.024
(।) भू। म का वणन- (क) जिला-जांजगीर	- जांगा (क्रजीयण्ड)	165	0.073
(क) जिला-जाजगार (ख) तहसील-डभरा	• •	167	0.016
		168	0.020
्ग) नगर∕ग्राम–शंकर (घ) लगभग क्षेत्रफल		169 .	0.020
(भ) लगमग क्रमण	1-2.499 हक्दवर		

1331/2 क, ख

968

969

0.036

0.002

0.004

			_	•
	(1)	(2)	(1)	(2)
	170	0.004	· 966/1	
•	171/1	0.045		. 0.040
	171/2	•	1334/1-2	0.153
	175/1 क	0.109	. 1345	0.053
•	173	0.028	1340/2 ख	0.113
			1386	. 0.024
योग		2.499	1385	, . 0.040
(२) मार्वन	निक प्रयोजन जिस्के	लिये आर्वश्यकता है-गिरगिरा ब्रांच	1381/1	0.012
	ग्यांक प्रवाणित । जस्य र नं . 1 आर.	र ।राप आपरपकता ह−।गसग्स द्राच	1381/2	0.060
	, , , -, ,		. 1379	0.077
(3) भूमि व	हा नक्शा (प्लान) का	निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव	. 1378	0.040
परियो	जिना जांजगीर के कार	र्यालय में किया जा सकता है.	1376	0.182
•		,	1374/3	0.045
	- • •		1373	0.045
	जाजगार-चाम्पा,	दिनांक 5 मई 2003	1370/1, 2, 3	• 0.049
क्र. 581	/सा- १/सात. — चंकि	राज्य शासन को इस बात का समाधान	1369	0.049
हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए			1368	0.040
			1366/1	
आवश्यकता 1004) संग्रे	है. अत: भू-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	• 1365	0.053
1894 <i>)</i> संशा इसके टाग	ाधत भू-अजन आधान यह घोषित किया	यम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	•	0.049
प्रयोजन के.	- १० जाउरा किया लिए आवश्यकतां है	्राता र ।का उक्ता भूमि का उक्ता 	1364	0.036
	,		1363	0.024
	• अनु	सूची	1405	0.073
			1408/2	0.073
(1) भूगि	म का वर्णनः		1409	0.032
. (:	क) जिला–जांजगीर–	चांपा (छत्तीसगढ़)	1413/1	0.016
	ख) तहसील-डभरा		1413/2	0.089
	ग) नगर/ग्राम्-गोबरा,		1414	0.053
(1	व) लगभग क्षेत्रफल-	1.763 हेक्टेयर	1415/1	0.036
स्टब्स	रा नम्बर .		1416/2 .	. 0.036
અ ત	ारा उच्छार .	रकबा (हेक्टेयर में)	1417	0.061
ſ	(1)	(2)		
		(4)	योग 33	1.763
•	970	0.040		•
12	331/1	0.028	(2) सार्वजनिक प्रयोजन	। जिसके लिये आवश्यकता है-

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कटेकोनी छोटे माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

लांल	गीर-चाम्पा,	टिनांक	5	मर्ह	2003
01101	પાર-વાન્યા,	16 पाफ	⊃	শহ	2003

क्र. 582/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

खसरा नम्बर

- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ)
- (ख) तहसील-मालखरौदा
- (ग) नगर/ग्राम-सिंघरा, प. ह. नं. 11
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.796 हेक्टेयर

रकता

खसरा नम्बर	रक्षा
·	(हेक्टेयर में)
(1)	· (2)
508/2	0.069
·499/2	0.045
509	0.069
498	0.085
448/4	0.069
497/1 क	0.045
497/1 ख	0.069
497/1 ग	•
497/3	0.065
487/1	0.145
487/2	0,004
480/5	0.024
482/2	0.036
480/7	0.057
480/8	0.077
482/2	0.153
481 *	0.012
473/2	0.004
468/4	0.065
474/2	0.049
472/3	0.040
468/2	0.069
•	

(1)	. (2)
454	0.077
468/6 -	0.040
453/1	0.016
453/2	0.085
452/1	0.045
445/1	0.016
451	0.036
448/8	0.101
448/12	0.012
448/10	0.036
448/3	0.081
••	
योग	1.796

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आङ्कुश्यकता है-छोटे कोट माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 583/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-टाटा, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.199 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा
	(हेक्टेयर में
(1)	(2)

79

0.160

रकबा (हेक्टेयर में)

खसरा नम्बर

(1)	(2)
77	0.053
100	0.032
93/1	0.012
98	0.036
106	0.056
97/1	0.036
179/1	0.149
168/2	0.004
169	0.020
170	0.032
17 4 /2	0.226
171	0.048
172	0.125
99 📥	0.073
148	0.004
156	0.008
173/2	0.125
योग	1.199

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कुरदा वितरक नहर (पूरक प्रकरण).
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 584/सा-1/सात. — चृंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-बोकरेलं, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.506 हेक्टेयर

- (2) (1) 0.072 75/3 0.064 ·110 0.016 109/1 0.295 111 0.042 112/1, 2 0.117 174/2 0.032 173/1 0.024 172 0.015 171 0.042 113/2 0.042 113/1 0.044 169/3 158. 0.076 0.044 126/1 0.025 153/1 0.070 148 0.008 150 0.040 127/1 0.028 147 0.170 146 0.033 131 0.004 129 0.146 153/2 0.057 95/3 योग 1.506
- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कुरदा वितरक नहर (पूरक प्रकरण).
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 585/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-अमेराडीह, प. ह. नं. 4
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.630 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
230/3	0.093
225	0.202
217/2	0.036
217/1	0.049
208/1	0.032
209	0.028
207	0.045
170	
213/1	0.020
169/2, 3	0.125
योग 💆	0,630

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-अमेराडीह सब माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 586/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरीदा
 - (ग) नगर/ग्राम-भुतहा, पु. ह. नं. 4
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.302 हेक्टेयर

्खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
44 1	0.073
438/2	0.093
437/8	0.008
437/2	0.089
436	0.032
418/2	0.020
J-318	
435/2	0.045
330	0.320
431	0.186
434/1	0.036
319/2	0.073
429	0.016
319/1	0.065
320/1	0.036
332	0.040
481	
322/2	0.109
326/1	0.061
ोग	1.302

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-भूतहा ब्रांच सर्व माइनर.
- (3) भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेंब परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

1158		91 23 19 2005	
 जांजगीर-चाम्पा, वि	देनांक 8 मई 2003	(1)	(2)
((()			•
क्र. 587/सा−1/सात.—चूंकि र	ाज्य शासन को इस बात का समाधान	470/7	0.077
हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूच	वी के पद (1) में वर्णित भूमि कीं	470/18	0.121
अनुसूची के पद (2) में उल्लेखि	व्रत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	. 459	• 0.036
आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	1220/3	0.065
1894) संशोधित भू-अर्जन अधिन	यम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	372/10	0.004
	जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	469	0.125
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है		378/2	0.004
27-77	· ·	460	0.004
अनु	सूचा	361/2	0.024
		467	0.073
(1) भूमि का वर्णन-		466/2	0.040
(क) जिला-जांजगीर-		466/1	0.024
'(ख) तहसील-मालख		. 462	0.053
(ग) नगर/ग्राम्-कुरदा,	•	463/1	0.045
(घ) लगभग क्षेत्रफल-	·4.110 हेक्टेयर	377/2	0.036
		362/1	0.008
खसरा नम्बर	रकबा	363	0.085
	(हेक्टेयर में)	374	
(1)	(2)	372/5	0.004
	-	1220/1	0.004
425/16	0.008	372/8	0.004
496		. 372/9	0.004
. 498		1151/5	0.040
509 . [•	1220/2	0.004
1144	0.097	. 372/11	0.004
428/8	0.121	1220/4	0.004
426/1	0.004	1253/6	0.020
426/2	0.077	1253/5	0.008
· 494	0.089	1253/1	0.028
428/1	0.069	1237/6	0.004
1157	0.101	1329/7	0.117
433/2	0.170	1329/2	0.004
434/2	0.008	1237/7	0.036
1253/1	0.004	1107/3	0.024
437	0.057	1107/2	0.040
434/5	0.117	1108	0.154
435/2	-	1115/3	0.032
1151/6	0.049	1110	0.061
436/2	0.057	1140/7	0.024
1254/2	0.028	1140/14	0.036
436/3	0.016	1140/13	0.024
1253/3	0.028	1140/12	0.036
1253/14			

(1)	(2)	ं जांजगीर-चाम्पा, वि	दनांक 8 मई 2003
1212/25	0.028	क्र. 588/सा-1/सात.—चंकि र	ज्य शासन को इस बात का समाधान
1075/5	0.053	हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूच	त्री के पद (1) में वर्णित भूमि की
1075/2	0.045	अनसची के पद (2) में उल्लेखि	व्रत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए
	0.012	आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
1151/2	0.004	1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनिव	वम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत
1134/2	0.004		जाता है कि उक्त भूमि की उक्त
1147/1, 2, 3, 4, 5		प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	:
1132/1	0.093		•
1132/4	0.008	अनु	सूची 🔻
1151/1	0.004	•	•
1329/8	0.004	(1) भूमिं का वर्णन-	
1158/1	0.073	(क) जिला-जांजगीर-	चांपा (छत्तीसगढ़)
1170	0.004	(ख) तहसील-मालख	
1171	0.053	(ग) नगर/ग्राम-बुंदेली	
· 1172 ¹	,	(घ) लगभग क्षेत्रफल-	
1156/1	0.008	(4) ((1) (4)	
1173/1	0.134	खसरा नम्बर	रकबा
1173/4	0.004	_ (400) 1740	(हेक्टेयर में)
1175	0.040	(1)	(2)
1221/2	. 0.008		माइनर-2
1219	0.065	•	0.202
1217/1	0.004	44 45	0.279
1199/3, 4, 12, 13	0.158	45 46/4	0.028
1199/8, 9	0.101	46/1	0.279
1212/3 ख	0.012	46/5	0.008
1212/2 ग	0.032	46/2	0.016
1212/1 क	0.057	46/3 .	0.121
1212/2 ख		184/4	0.223
1212/ 1 ख 🕴	0.024	184/2	0.158
1212/1 ग		186/11	0.348
1211/1	0.077	189	0.158
1228/2	0.065	• 401/4	0.150
1209/1	0.154	401/8	C.077
1209/2 · ·	0,081	401/9	0.032
1326	0.061	402	0.024
		404/23	0.040
योग	4.110	403/3	0.012
		403/2	0.057
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके	लिये आवश्यकता है-बरपाली	404/29	0.049
माइनर.	TATE THE PROPERTY OF TAXABLE	404/30	C.004
THE IN.		404/17	0.016
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निर्र	थिण भ्र-अर्जन अधिकारी 'हम्रेटन	390	0.024
परियोजना जांजगीर के कार्याल		387	0.032
भारवाजना जाजनार क कावाल	ान च ।काना जा यकाता ६०	388	0.028
~		384/1	0.004

(1)	(2)	(1)	(2)
384	/2	0.004	46/9	0.101
384	/3	0.008	46/8	. 0.097
384	/4	0.004	•	
384	/5	0.004	51/6	0.146
, 38	1	0.024	51/5	0.020
379		0.044	51/18	0.089
378		0.032	52/1	0.006
373		0.044	53	0.073
365		0.016	54/1	0.085
365		0.028	54/2	0.101
356		0.024	55/1, 3	0.087
355		0.024		
236 237		0.040 0.004	59/4	0.093
239		0.004	60/4	0.101
:240		0.016	63/1	0.012
241/1		0.014	63/2	0.065
266		0.024	63/3	0.051
265		0.024	63/5	0.121
264		0.020	63/6	0.034
267		0.016	63/7	0.049
268	3 ,	0.020	•	
269)	0.028	64/1	0.040
270/1	, 2	0.012	. 64/5, 6, 7	0.077
29 1	ł –	0.004	65/2	0.089
292/1,	2, 3	0.028	65/4	0.073
329		0.085	65/3	0.044
326/		0.109	66/1	0.182
327/		0.202	. 64/2	0.049
327/	•	0.057		,
330/		0.024	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	2.242
330/		0.053	योग 	2.043
334/		0.012		•
331/		0.125		
332/1		0.053	कटारी माइनर-ब्रांचः	गइनर-2
332/ 332/		0.061 0.057		- ,
<i>3341</i>	,	0.037	401/4	0.016
योग .		3.739	401/5	0.024
			401/6	0.016
•	कटारी भाइनर-क्रांच मार	नर-2	404/8	0.036
	·		404/9	0.024
44		0.053	414/4	0.085
46/4	ļ	0.105		
,			415/1	0.016

0.024 ·

380/4

ासगढ़ राजपत्र, दिनाक 23 मेर 2003	
(1)	(2)
422/4	0.121
	0.142
	0.101
	0.049
	0.049
	0.146
	0.061
	0.121
	0.053
	0.093
	0.121
	0.113
•	0.069
	0.202
	0.105
47/	0.085
वकारा, रुसद्व	0.178
bdi 8.	0.133
	. 0.158
•	0.101
	5.15
ति का समाधान योग	2.424
त्राणत भूम का	
जिन के लिए भागोः	डीह माइनर-2
क्रमांक १ सन्	•
	0.036
भाभ का उक्त	0.105
•	0.028
	0.049
	0.097
	0.053
	0.049
	0.032
	0.057
• •	0.044
	0.061
	0.024
30414	0.077
207/2	0.049
4)	0.061
	0.028
	·0.174
•	0.138
•	0.081
<u> </u>	0.061
	422/4 422/1 425/8 426 428/1 280/2 281/13 281/12 281/15 281/14 281/1 264/1 264/2 178/1 176 180 172/30 172/4 ख 172/28 वात का समाधान वर्णित भूमि की गोजन के लिए (क्रमांक 1 सन् 6 के अन्तर्गत भूमि की उक्त 422/1 425/3 425/2 388/7 388/1 389/5 389/4 389/3 389/1 386/2 386/1 387/1 386/4 4386/3 395/5

	(1)	(2)	जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई 2003
	380/7	0.061	क्र. 592/सा-1/सात.—चूंकि	राज्य शासन को इस बात का समाधान
	380/6	0.077	हो गया है कि नीचे दी गई अनुस	रूची के पद (1) में वर्णित भूमि की
	10 ख		अनुसूची के पद (2) में उल्ले	खित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए
	11		आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
	38073	0.036		नयम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत
	339/1	0.081		। जाता है कि उक्त भूमि की उक्त
•	339/3	0.044	प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	: -
योग		1.627	এক	ग ुसूची [']
,	भागोडीह	माइनर-3	51 ,	
			(1) भूमि का वर्णन-	
	425/2	0.040	(क) जिला-जांजगीर	-चांपा (छत्तीसगढ)
	425/5	0.093	(ख) तहसील-डभरा	·
	['] 409/1	0.061		
	428/1	0.061	(ग) नगर/ग्राम-ठनग- ⟨\ - } -	_
	425/7	0.162	(घ) लगभग क्षेत्रफल	-1.012 हक्टयर
	408/2	0.057		_
	408/1	0.061	खसरा नम्बर	रकवा
	281/5	0.154		(हेक्टेयर में)
	281/4	- 0.186	(1)	(2)
	285/2	0.008		
	285/4	0.036	452/1	0.044
	282 289	0.004 0.117		
-	289 290/1	0.044	452/2	0.044
	291/1, 2	0.044	450/3	0.057
	292/2, 4	0.077	451	•
	332/12	0.065	- 450/2	0.020
	332/15	. 0.028	448/1	0.036
	332/14	0.028		
	325	0.036	450/1	0.020
	327/1, 2	0.036	447/1	0.049
	332/9	0.069	447/3	0.008
	332/11	0.012	446	0.016
	329/1	0.133		
	332/2	0.053	445	0.008
	332/4	0.061	442/1 ·	0.016
	281/7	0.012	442/2	0.020
योग		1.738	447/2	0.020
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	436/2	0.089
कुल य	गोग	5.789	436/1	
(2) सार्व	जिनिक प्रयोजन जिसके	लिये आवश्यकता है-भागोडीह	428/3	0.028
. माइ		•	428/2	0.028
			428/1	0.028
•		रीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हंसदेव	424	0.012
परि	योजना जांजगीर के कार्या	तय में किया जा सकता है.	423	0.032

	•	·	
_. (1)	. (2)	(1)	(2)
422	0.020	. 260	0.020
425	0.008	262/7	0.020
420	0.049	263	
421			0.016
416	0.073	261	0.016
419/1	0.020	262/8	•
418/1	0.069	109/2	0.057
418/2	0.069	295/15	•
418/3	. 0.012	264/4	0.020
418/4	0.016	267/6	0.012
417/2	0.040	262/3	
417/3	0.061	157/5	0.020
		264/1	0.202
योग	1.012	264/6	
	•	264/3	•
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके	लिये आवश्यकता है-रतपाली	131/6	0.040
सब डि. वाय.		113/1	0.222
(D) (A)		295/14	
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरी	क्षण भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव	112/1	0.121
परियोजना जांजगीर के कार्याल	य में किया जा सकता है.	295/5	
		109/1	0.053
जांजगीर-चाम्पा, दिन	ांक 8 मई 2003	108	0.214
•		109/3	0.057
क्र. 593/सा-1/सात.—चूंकि राज्य	र शासन को इस बात का समाधान	259	0.012
हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची	के पद (1) में वर्णित भूमि की	262/6	0.012
अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित	सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	107	0.049
आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अ	धनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	131/4	0.049
894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम्	, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	150/1	0.040
सके द्वारा यह घोषित किया जा ग्योजन के लिए आवश्यकता है :	ता हाक उक्त भूमि की उक्त	151/2	
त्याजन के लिए आवश्यकता हं :	-	153	0.089
•	_^		0.016
अनुसून	वा	151/1	0.032
		152/1	
(1) भूमि का वर्णन-		151/3	0.040
(क) जिला-जांजगीर-चांप	ग (छत्तीसगढ़) -	152/2	0.040
(ख) तहसील-डभरा		154/7	0.008
(ग) नगरंग्राम-सुखापाली	, प. ह. नं. 8	154/1	0.024
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.6		154/2	0.069
•		154/3	0.024
खसरा नम्बर	रकबा	154/4	0.008
	(हेक्टेयर में)	154/5	0.036
(4)	. (2)	154/6	0.032
``'/	(2)	155	0.065
265	0.023	157/1	0.089
	0.032	156/2	0.024

योग

(1)	(2)
168	0.040
156/1	0.016
158/2	0.105
158/3	
158/1	0.089
165	0.081
166	0.081
167	0.057
169/1 .	0.032
169/2 '	0.032
169/3	0.077
172	0.101
171/2	0.032
171/3	
173	0.081
174/2	
174/1	0.020
258	0.012
262/5	
262/2	0.045
270	
295/11	_
295/12	
620/1	
124	0.012
	2.688

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सुखापाली माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरक्षिण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.
 - जांजगीर-चाम्पा, दिनांक ८ मई 2003

क्र. 594/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उद्हेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - . (ख) तहसील-डभरा
 - (गं) नगर/ग्राम-गोबरा, प. ह. नं. ७
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.121 हेक्टेयर

खसरा नम्बर		रकबा
	•	, (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	4/2	0.121
योग		0.121
		

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जि्सके लिये आवश्यकता है-कौडिया माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 595/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उस्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-चुरतेला, प. ह. नं. 6
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.394 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा	
	-(हेक्टेयर में)	
(1)	(2)	
550	0.045	

•	•		
(1)	(2)	(1)	(2)
560/3	0.040	629/1	0.061
560/2	0.053	332	0.004
317/5	0.073	298/1	0.024
570/2	0.020	629/3	0.069
578	0.061	317/42	0.016
577/1	. 0.057	312	0.121
577/2	0.040	309/2	0.040
576	0.153	298/3	0.028
579		298/4	0.049
574 .		311/1	0.032
575		311/2	0.032
573	0.061	309/1	0.040
572/1	0.020	612/1	0.024
572/2	0.049	612/2	0.113
584	0.065	629/2	
585/1	0.032	631/2	0.097
585/2	0.020	·	
583	· 0.040	योग	2.394
586	0.053		
587/2	0.028		के लिये आवश्यकता है-चुरतेला
321/1	- 0.040	ं ब्रांच माइनर नं. 2.	
587/1	0.032	·	
319/5	0.157		निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव
320/3	•	परियोजना जांजगीर के कार	र्गालय में किया जा सकता है.
322/1		,	
323/1		जॉजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई 2003
320/5	0.032		
319/2	0.004		राज्य शासन को इस बात का समाधान ूची के पद (1) में वर्णित भूमि की
310	0.016	शासा है। पर नाय या पर अनुस् अनुसुनी के पट (२) में उस्त्री	खित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए
320/2 320/4	. 0.077	आवश्यकता है. अतः भ-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
320/4	0.036	1894) संशोधित भू-अर्जन अधिन	ायम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत
326/1	0.008	इसके द्वारा यह घोषित किय	। जाता है कि उक्त भूमि की उक्त
326/2, 3	0.129	प्रयोजन कें लिए आवश्यकता है	
320/2, 3			
319/3 [0.065	अन्	ुसू ची
320/1	0.063	•	
329		(1) भूमि का वर्णन-	•
330		(क) जिला−जांजगीर	-चांपा (छत्तीसगढ़)
328/2	0.020	(ख) तहसील-डभरा	
328/1	0.065	(ग) नगर∕ग्राम-बसन्त	पुर, प. ह. नं. 10
331/2	0.004	(घ) लगभग क्षेत्रफल	-1.298 हेक्टेयर
298/5	0.049	•	
-,0,0	V.U47	•	-

खसरा नम्बर	रकबा	जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई 2003
•	(हेक्टेयर में)	- 607 cm 4 cm - ife:	······································
(1)	(2)	हो गया है कि नीचे दी गई अनुसू	रांज्य शासन को इस बात का समाधान ची के पद (1) में वर्णित भूमि की
46/5	0.012		खित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
48/1	0.085		यम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत
20/1 ख	0.024		,जाता है कि उक्त भूमि की उक्त
251/1	0.012	प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	:-
47/1	0.049		•
132/2	. 0.077	अनु	,सूची
230	. •	•	•
231		(1) भूमि का वर्णन-	•
47/2	0.097	(क) जिला-जांजगीर-	चांपा (छत्तीसगढ़)
19	0.097	(ख) तहसील-डभरा	
20/1 ज	0.012	(ग) नगर⁄ग्राम-फरसव (घ) लगभग क्षेत्रफल-	
20/1 ग	0.109	् (अ) रागमा वात्रमरा-	
20/1 भ	0.012	खसरा नम्बर	रकबा
. 20/1 ङ	0.061		ं (हेक्टेयर में)
20/1 द	0.028	(1)	(2)
. 20/1 स	0.081		
20/1 म	0.032	1683/2	0.032
21/4	0.004	1953, 1954	0.036
22/1	0.109	2225	0.032
22/3	0.045	1686	0.040
24/3	0.016	1696/2 _. 1696/1	0.194 0.117
24/1	0.065	2224/3	0.036
23/2	0.004	2222/1	0.101
24/2	0.049	2222/3	0.065
232/1	0.012	2221/2	0.024
25	0.117	2221/3	0.057
233/5	0.036	2222/2	0.008
233/6	0.030	2219/1, 2	0.073
	0.053	2064	0.049
233/1	0.053	1706	0.024
योग	1.298	2195/1	0.036
	1,270	1895	0.073
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जि	सके लिये आवश्यकता है-डभरा	2218/2	0.085
माइनर नं. 2.	- 15 - 15 - 15 - 15 - 15 - 15 - 15 - 15	2217	0.020
		1900/2 2216	0.024
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का	निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव	2216	0.057 0.040
	र्यालय में कियां जा सकता है.	2210/2	0.008
		2210/2	0.008
	•	dede 1 ⁻3	UIVIU

(1)	. (2)	• जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई <u>,</u> 2003
	4.070	- room - 	
2212/3	0.073	क्र. 598/सा-1/सात.—चूाक के कि की वी की का	राज्य शासन को इस बात का समाधान
• 2211/1 •	0.030		ची के पद (1) में वर्णित भूमि की
2207/1	0.016	अनुसूचा क पद (2) म उल्ला	खित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए
2207/2	0.121		अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
2203/2	0.028		ायम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत
2199/2 ক	0.057		ा जाता है कि उक्त भूमि की उक्त
2195/3	0.073	प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	· :
. 1097/1	0.036	•	
1086/1	0.024 0.040	· अन	र् सूची
2195/2	0.065		3 &
. 1894/1, 2, 3	0.073	(4) order	
1902, 1903, 1905, 1906 1904/2	0.040	(1) भूमि का वर्णन-	
2039/1	0.032	ं (क) जिला-जांजगीर	-चापा (छत्तासगढ़)
1901	0.032	(ख) तहसील-डभरा	•
1900/1	0.052	(ग) नगर/ग्राम-खैराख्	बुर्द, प. ह. नं. 18
1955 (0.081	(घ) लगभग क्षेत्रफल	-2.140 हेक्टेयर
1952	,		•
-1956/1	0.008	खसरा नम्बर	ं रकवा
1949	0.141	G () T A ((हेक्टेयर में)
1951		745	
1946/1	0.057	(1)	(2)
1945	0.057		ा माइनर-I
1944/2	0.049	5	0.068
2038/2	0.016	.6	0.036
2047/2	0.057	7 .	
. 2047/1 खं	0.057	8/3	0.024
2039/2	0.065	9/2	0.024
2040/1	0.032	10	0.032
2040/2 ग	0.032		*
2047/1 ग	0.049	11	0.040
2047/1 क	0.040	12/1	0.012
2046	0.040	230/1	0.012
2066, 2067	0.073	13/4	0.008
2068/1	0.016	229	0.048
1094/1 क	0.121	228	0.020
1093	0.020	227	0.020
1097/2	0.008	226	0.028
1086/2	0.024		
1081/3	0.012	225	0.028
		224/1	0.024
योग 61	3.061	224/2	0.024
		224/3	0.024
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके	लिये आवश्यकता है-फरसवानी	224/4	0.024
माइनर.	•	223	0.081
		222/1	0.024
(3) भृमि का नक्शा (प्लान) का निरी	क्षण भू-अर्जन अधिकारी. हसदेव	222/2	0.024
परियोजना जांजगीर के कार्याल			•
चरचाणाम् भाषाम् पर पर प्रस्पाप	च । । तस्या था स्वयस्या ह ः	222/3	0.024

222/4 0.052 362 0.040 220/1 0.052 362 220/2 0.052 362 0.040 367/1-2 14/1 0.008 365 366 365 366 365 366 367/1-2 373/1 0.044 373/1 0.044 274/3 0.052 276/1 0.024 432 0.052 276/2 0.024 433/2 0.012 433/2 0.012 433/2 0.012 433/3 0.016 440 0.020 441 0.020 441 0.020 455 0.044 438 0.020 441 0.020 455 0.044 457/2 0.081 456 0.064 457/2 0.081 456 0.064 457/2 0.008 373/1 0.077 444 0.020 372 0.085 373/1 0.077 444 0.020 372 0.085 373/1 0.077 362 0.055 373/1 0.077 362 0.055 373/1 0.077 362 0.056 373/1 0.077 362 0.056 373/1 0.077 362 0.056 373/1 0.077 362 0.056 373/1 0.077 362 0.056 373/1 362 0.056 373/1 362 0.056 373/1 362 0.056 373/1 362 0.056 373/1 362 0.056 373/1 362 0.056 373/1 364 367/2 364 365 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 366 367/1 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 367/2 366 367/1 366 367/1 366 367/1 366 367/1 367/2 366 367/1 367/2 366 367/1 367/2 366 367/1 367/2 367/		· (1)	(2)	(1)	(2)
220/2 0.052 219/1 क 0.020 367/1-2 14/1 0.008 364 14/1 0.008 364 27 0.805 366 14/1		222/4	0.024	Dulha	mear III
219/1 क 0.020 367/1-2 14/1 0.008 364 योग 27 0.805 366 170 367/1-2 373/1 0.044 373/2 0.044 411/2 0.214 274/3 0.052 412/4 276/1 0.024 432 0.052 276/2 0.024 433/1 0.016 433/2 0.012 योग 7 0.264 439 0.016 440 0.020 कुल योग 55 2.140 438 0.020 441 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरगिरा माइनर. 452 0.081 455 0.064 (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगोर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगोर -चाप्पा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 373/2 0.085 क्र. 599/सा-1/सात. —चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी मई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि को उत्तर अधिकारी, हससेव परियोजना जांजगोर के कार्यालय में किया जा सकता है. 367/1 367/2 0.085 क्र. 599/सा-1/सात. —चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी मई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि को उत्तर अधिकारी, हससेव हसके हारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त अधिकारी, हसके हारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त अधिकारी, हसके हारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त अधिकार माइनर सक्ते हिए आवश्यकता है:— 366 361 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांप (छतीसगढ़) (2) स्विताल-क्रमर (7) नाराग्राम-हमर, प. ह. नं. 10		220/1	0.052	THE STATE OF THE S	419-11-111E
14/1 0.008 367/1-2 364 365 366 365 366 373/1 0.044 373/2 0.044 411/2 411/2 0.214 274/3 0.052 276/1 0.024 432 0.052 276/2 0.024 433/1 0.016 433/2 0.016 440 0.020 373/1 55 2.140 441 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरांगरा महनर. 455 0.040 455 0.064 457/2 0.008 373/1 0.077 444 0.020 372 0.008 373/1 0.077 373/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 0.117 317/2 362 0.056 373/2 0.056 373/2 0.056 373/2 0.056 373/2 0.117 317/2 317/2 317/2 317/2 0.117 317/2 3		220/2	0.052	362	. •
14/1 0.008 364 365 366 कार्याप 27 0.805 366 कार्याप 373/1 0.044 373/1 0.044 374/2 0.044 411/2 0.214 274/3 0.052 432 0.052 276/1 0.024 433/1 0.016 433/2 0.012 योग 7 0.264 439 0.016 440 0.020 कुल योग 55 2.140 438 0.020 441 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरीगरा महन्तर. 452 0.081 455 0.040 (3) पूर्मि का नक्सा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर -चाप्पा, दिनांक 8 मई 2003 372 0.085 फ्र. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान 367/2 37/1 हो गवा है कि नीचे दो मई अनुसूची के पर (1) में वर्णित पूर्मि को 367/1 अत्वर्यकता है ज्ञान पर पर (2) में वर्णित पुर्मि को उक्त 373/1 0.077 जांजगीर -चाप्पा, दिनांक 8 मई 2003 371/2 0.117 हो गवा है कि नीचे दो मई अनुसूची के पर (1) में वर्णित पुर्मि को 367/2 अत्वर्यकता है आतः पु-अर्जन अधिनयम, 1984 कि मोच रा मा अवस्यकता है कि उक्त भूमि को उक्त 361 0.012 अनुसूची 524/3 0.052 615 (1) भूमि का वर्णन- (क) विला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (626/2 0.008		ू 219/1 क	0.020		0.040
चीग 27 0.805 366 363 0.036 363 0.036 373/1 0.044 373/1 0.044 373/1 0.044 411/2 0.214 274/3 0.052 276/1 0.024 432 0.052 276/2 0.024 433/2 0.016 433/2 0.016 440 0.020 438 0.020 441 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरगिरा माइनर. 452 0.081 455 0.040 (3) भूमि का नक्सा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर-चाप्पा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 372 0.085 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान 373/2 0.117 हो गया है कि नीचे दो गई अनुसूचों के पट (1) में वर्णत भूमि को उत्तर/1 367/2 364 365 367/2 364 365 365 366 361 0.012 373, 400 374, 400 37		14/1		j	•
चीन 27 0.805 366 363 0.036 373/1 0.004 373/1 0.004 411/2 0.214 274/3 0.052 276/1 0.024 432 0.052 276/2 0.024 433/1 0.016 433/2 0.016 440 0.020 कुल योग 55 2.140 438 0.020 441 0.089 (2) सार्यजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरिगत माइनत. 452 0.081 443 443 444 0.089 (2) सार्यजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरिगत माइनत. 455 0.040 (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जीजगीर के कार्यलय में किया जा सकता है. 45772 0.008 78.599/सा-1/सात.—चूंक राज्य शासन को इस बात का समाधान जिस्से वित्र के उत्तर्या के उत्तर्या के उत्तर्या है की नीचे दी गई अनुसूची के पद (2) में उद्योजन के लिए आवश्यकता है अत: भू-अर्जन अधिनयम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्या क्षांत्र में के हारा यह चोकित कर्या जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अत: भू-अर्जन अधिनयम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्यात इसके हारा यह चोकित कर्या जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : अत: भूम् अर्जन अधिनयम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्यात इसके हारा यह चोकित कर्या जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : अत: भूम् की उक्त अधिनयम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्यात इसके हारा यह चोकित कर्या जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : अत: भूम् की उक्त अनुसूची (क्रांत्र क्रांत्र क्र				, ,	
भिरिगरा माइनर-II 363 373/1 374/2 0.044 374/2 0.044 411/2 412/4 432 0.052 433/1 0.016 433/2 0.012 439 0.016 440 0.020 438 0.020 441 0.089 421 439 0.089 431 0.089 441 0.089 431 455 0.040 455 0.040 455 0.040 457/2 0.081 457/2 0.088 373/1 0.077 444 0.020 373/1 0.077 444 0.020 373/1 0.077 444 0.020 373/1 0.077 444 0.020 373/1 0.077 444 0.020 373/1 0.077 444 0.020 373/1 0.077 445 0.085 373/1 0.077 446 0.085 373/1 0.077 447 0.085 373/1 0.077 448 0.020 372 0.085 373/1 0.077 449 0.020 373/1 0.077 440 0.020 373/1 0.077 444 0.020 373/1 0.077 445 0.085 371/2 0.117 8i run \text{\	योग	27	0.805		•
कार्यमारा माइनर-II 373/1 0.044 374/2 0.044 274/3 0.052 276/1 0.024 432 0.052 276/2 0.024 433/1 0.016 433/2 0.012 योग 7 0.264 438 0.020 440 0.020 कुल योग 55 2.140 440 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरगिरा माइनर. 452 0.081 443 455 0.040 (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 444 0.020 444 0.020 444 0.020 444 0.020 444 0.020 444 0.020 444 0.020 444 0.020 445 0.056 446 0.056 447					0.007
11/2 0.214 274/3 0.004 12/4 274/3 0.052 132 0.052 276/2 0.024 133/1 0.016 133/2 0.012 योग		गिरगि	रा माइनर-II		
411/2 0.214 274/3 0.052 276/1 0.024 432 0.052 276/2 0.024 433/1 0.016 433/2 0.012 योग	•		•		
1924 1926		411/2	0.214		
432 0.052 276/2 0.024 433/1 0.016 2 योग		412/4	•		
433/1 0.016 433/2 0.012 योग 7 0.264 439 0.016 440 0.020 कुल योग 55 2.140 438 0.089 (2) सार्बजिनक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरिगरा माइनर. 441 0.089 (2) सार्बजिनक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरिगरा माइनर. 452 0.081 455 0.040 (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 456 0.064 परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 जांजगीर-चाम्मा, दिनांक 8 मई 2003 373/1 0.077 जांजगीर-चाम्मा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 जांजगीर-चाम्मा, दिनांक 8 मई 2003 371/2 0.117 हो गया है कि नीचे दो गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि को अनुसूची के पद (2) में उक्लेखित सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1894 को धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— अनुसूची उत्तर्भ के लिए आवश्यकता है :— अनुसूची (1) भूमि का वर्णन- (2) भूमि का वर्णन- (3) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (3) महस्तिल-डभरा (1) मर्गराग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10		432	0.052		
439 0.016 440 0.020 कुल योग 55 2.140 438 0.020 441 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरगिरा माइनर. 452 0.081 455 0.040 (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 456 0.064 परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 373/1 0.077 जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 373/1 0.077 जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 371/2 0.117 हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की उत्तर अवस्थकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त अयोजन के लिए आवश्यकता है :		433/1	0.016	27012	0.024
439 0.016 440 0.020 कुल योग 55 2.140 438 0.020 441 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरगिरा माइनर. 452 0.081 455 0.040 (3) भूमि का नवशा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव पिरयोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 (3) भूमि का नवशा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव पिरयोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 क. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान 371/2 0.117 हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि को अतुसूच्ची के पद (2) में उक्षेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अतः भू-अर्जन अधिनयम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत 4364 365 366 361 0.012 349-सूच्ची 349-		433/2	0.012	योग 7	0.264
438 0.020 441 0.089 (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-गिरगिरा माइनर. 452 0.081 455 0.040 (3) भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 444 0.020 जि. 177 51 गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अवश्यकता है. 362 0.056 अनुसूची के पद (2) में उक्षितियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1994 की धारा 6 के अन्तर्गात के हिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1994 की धारा 6 के अन्तर्गात के तिए आवश्यकता है होरा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : अनुसूची 0.052 34नुसूची 0.052 (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (ख) तहसील-डभरा (ग) नगरग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10		439	0.016		0.204
438		440	0.020	कल योग ६६	2 140
443 प्राचनानक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकती है-।गरागरी 452 0.081 455 0.040 (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव 456 0.064 परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर-चाम्मा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 ज. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान 371/2 0.117 हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि को 362 0.056 अनुसूची के पद (2) में उक्षेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 366 अनुसूची 626/2 0.012 अनुसूची 626/2 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10		438	0.020	3	2.140
साइनर.		441 .	0.089	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके	हे लिये आवश्यकता है-विक्रीका
452 0.081 455 0.040 (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव 456 0.064 परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 372 0.085 क्र. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान 371/2 0.117 हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की 362 0.056 अनुसूची के पद (2) में उक्षेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धार्र 6 के अन्तर्गत 367/2 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धार्र 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 366 361 0.012 अनुसूची 624/3 0.052 615 (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (व) तहसील-डभरा (ग) नगरण्याम-डभरा, प. ह. नं. 10		443			WENT STATESTERS 1101
456 0.064 परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 372 0.085 क्र. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 367/2 इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 368 अनुसूची 624/3 0.052 615 (1) भूमि का वर्णन— 626/2 0.012 (क) जिला–जांजगीर–चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील–डभरा, प. ह. नं. 10	•	452	0.081		
456 0.064 परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है. 457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 372 0.085 क्र. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अतुभूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 367/2 सिकं द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 366 अनुसूची 624/3 0.052 615 (1) भूमि का वर्णन— (क) जिला–जांजगीर–चांपा (छत्तीसगढ़) (ख) तहसील–डभरा (ग) नगरग्राम–डभरा, प. ह. नं. 10		455	0.040	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का नि	रीक्षण भ–अर्जन अधिकारी हमटेव
457/2 0.008 373/1 0.077 जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003 444 0.020 372 0.085 ज्र. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान 371/2 0.117 हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की 362 0.056 अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 367/2 368 361 0.012 37-सूची 362/4/3 0.052 (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (2008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगरग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10		456	0.064		
444 0.020 ज. 599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान के 771/2 0.117 हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की 362 367/1 367/2 368/4 369/सान 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनयम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— 368/3 368/3 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनयम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— 368/4 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— 368/4 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भूमि का वर्णन के लिए आवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत के पर (1) भूमि का वर्णन के लिए आवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अवश्यकता है :— 369/सान 1 सन् 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अवश्यकता है :— 369/सान 1 सन 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजन के लिए अवश्यकता है :— 369/सान 1 सन 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजन के लिए अवश्यकता है :— 369/सान 1 सन 1894 (क्रमांक 1 सन 1894) संशोधत भूमि के पर (2) में उक्लेवित सार्वजन के लिए अवश्यकता सार्वजन के लिए अवश्यकता		457/2	0.008		
444 0.020		373/1	0.077	जांजगीर-चाम्पा, वि	देनांक 8 मई 2003
371/2 0.117 हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उक्षेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि' की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 367/2 368 369			0.020	·	
362 0.056 अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि' की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— 366 361 0.012 अनुसूची 0.052 (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10			0.085		
अवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि' की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:— 366 361 0.012 3-1			0.117	हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूच	र्गी के पद (1) में वर्णित भूमि की
1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि' की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : 366	•	1	0.056	अनुसूची के पद (2) में उल्लेखि	ति सार्वजनिक प्रयोजन के लिए
364 इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि' को उक्त 365 प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : 366 अनुसूची 624/3 0.052 (1) भूमि का वर्णन- 626/2 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10		1		आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन इ	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : 366 361 0.012 3-नुसूची 0.052 615 (1) भूमि का वर्णन- 626/2 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10		1		1894) संशाधित भू-अजन आधानय	मि, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत
366 361 0.012 अनुसूची 624/3 0.052 615 (1) भूमि का वर्णन- 626/2 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10				भूसक द्वारा यह बावित किया प्रयोजन के लिए आवश्यक्त है	जीता है। के उक्त भूमि का उक्त
361 0.012 अनुसूची 624/3 0.052 615 (1) भूमि का वर्णन- 626/2 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10		1		प्रमाणम् यमाराष्ट् आपस्यकता ह :	
0.052 0.052 (1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10				21217	
(1) भूमि का वर्णन- 626/2 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10			0.012	ઝ નુર	रूपा
626/2 0.012 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10			0.052	(1)	
627 0.008 (ख) तहसील-डभरा (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10					
(ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10					ापा (छत्तासगढ़)
		627	0.008		
था। 21 1.071 (घ) लगभग-क्षत्रफल-1.011 हेक्टेयर					
	વાય		1.071	(ध) लगभगःक्षत्रफल-1	.011 हक्टयर

रकबा (हेक्टेयर में) (2)

> 0.263 0.036 0.020 0.097 0.020 0.040 0.097 0.073 0.040 0.134 0.020 0.101 0.028 0.012 0.332 0.093

> > 1.406

खसरा नम्बर	. रकवा	अनुसृ	ची
	(हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(1) भूमि का वर्णन-	
		(क) जिला-जांजगीर-च	iपा (छत्तीसगढ़)
2373	0.040	(ख) तहसील-डभरा	
. 2372/3	. 0.012	(ग) नगर∕ग्राम-सुखदा,	प. ह. नं. 5
2372/4	- 0.061	(घ) लगभग क्षेत्रफल-1	
2404/3	0.077	(च) लगनग क्षत्रमता ।	.400
2406			*******
2407/2	0.004	् खसरा नम्बर	् रकब
2408/2	0.061		(हेक्टेयर
2409/2	0.045	(1)	(2)
2409/3	0.004		
24 0 9/1 ख	0.028	3/1	0.26
2417/3, 4	0.053	2/6	0.03
2423/3	0.040	3/3	0.02
2423/5	0.004	·	0.09
2422/1	0.049	3/4	0.02
2422/2	0.040	2/4	0.04
2429/1	0.016	, 2/5	0.09
2429/2, 3	0.105	9/1	0.07
2477/3	0.069	9/4	
2435	0.049	10/2	0.04
2436/2	0.040	11/3	0.13
2436/1	0.049	· 11/2	0.0
2456/3, 9	0.105	19/4	0.1
2456/1, 2		19/1	0.0
· 2457/1 .	0.016	9/3	0.0
2456/7	0.016	12, 13, 15/3	0.3
2468/5; 6, 7	0.028	14/1	0.0
योग 24	1.011	÷ योग	1.4

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-भेड़ीकोना माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 600/सा-1/सात.--चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दो गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:--

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है–बड़े मुढ़पार सब डि. ब्यू. नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्सा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003.

क्र. 601/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा है के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

- (1) भूमि का वर्णन-
 - . (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-बरतुंगा, प. ह. नं. 5
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.650 हेक्टेयर

- .. (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नग√ग्राम-खैरा, प. ह. नं. 6
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.283 हेक्टेयर

	. खसरा नम्बर	रकबा : (केक ो क्रान्टें)	खसरा नम्बर	् रकवा
	(1)	(हेक्टेयर में)		(हेक्टेयर में)
		(2)	(1)	(2)
		·	·. 420	0.000
	1409/1	0.093	438	0.032
	1409/3	0.081	439 440	0.057
	1409/3	0.081	56	0.008
	1409/2	0.101	436/8	0.065
			*	0.008
	1413	0.012	442/1 442/2 क	0.040
	1412	2.402		• 0.065
	1412	0.020	442/2 ग 454	0.057
	1411	0.153	,	0.036
			453	0.040
	1410	0.040	403/3	0.004
	1419/2	2.227	450/1	0.024
	17 17/2	0.097	445/2	0.016
	1419/1	0.053	445/1	0.045
	_		445/3	0.045
योग	9	0.650	446/2 .	0.057
,		0.650	403/5	0.053
(2) सार्व	जिनिक प्रयोजन जिस्के	लिये आवश्यकता है-बड़े मुढ़पार	371/1	0.008
स ब	ि डि. वाय .	, १८१५ जापरयकता ह -ब ड़ मुढ़पार	371/2 क	0.093
***	10114.		444/1	0.024
(3) भि	का नक्शा (प्रतान) का वि	नरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव	370/1	0.028
्र- ∕ रू. परि	योजना जांजगीर के कार्य	लिय में किया जा सकता है.	370/3	0.024
.,,	मना वाचनार का बाब	ाराय न किया जा सकता ह.	47/1	0.045
	जांजगीर-चारात (देनांक 8 मई 2003	48/1	
	आजगार-पान्या, ।	दनाक ४ मइ २००३	47/2	•
क्र. 60) 2/सा-1/सात — चंकि र	ाज्य शासन को इस बात का समाधान	48/2	
हो गया है	कि नीचे दी गई अनसन	वी के पद (1) में वर्णित भूमि की	49/1	0.004
अनुसूची	के पद (2) में उल्लेखि	वृत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	41/6	0.073
आवश्यक	ता है. अत: भू-अर्जन :	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन	41/1	0.109
1894) सः	रार्थित भू–अर्जन अधिनिय	ाम, 1984 की धारा ६ के अन्तर्गत	41/4 क	0.012
इसके द्वा	। येह घोषित किया	जाता है कि उक्त भिम की उक्त	52/2	0.020
प्रयोजन वे	ह लिए आवश्यकता है :	:-	455	0.004

			····
(1)	(2)	(1)	(2)
53/1	0.057	145/1, 2, 4	0.137
55	0.065	362/1	0.036
441/4	0.065	. 281/2 क	0.020
	·	145/3	0.020
योग •	1.283	146/1	0.028
(a) = [6]		146/4	0.053
(२) सावजानक प्रयाजन ।ज माइनर.	सके लिये आवश्यकता है-खैरा	147/3	0.040
नाइगर.	•	147/2	0.020
(३) भमि का नक्शा (प्लान) का	निरीक्षण भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव	148/3	0.105
	र्भालय में किया जा सकता है.	. 117/1	0.016
-		156/10	
. जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई 2003	360/6	0.081
	•		0.036
क्र. 603/सा-1/सात.—चूंकि 	राज्य शासन को इस बात का समाधान	156/5	0.032
्धा गया है। के नाचे दा गड़ अनुस् अनुसन्त्री के एट (२) में उन्हें	नूची के पद (1) में वर्णित भूमि की खित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	363/2	0.036
अवश्यकता है. अत: भ-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	156/6	0.012
1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनि	नयम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	360/1	0.036
इसके द्वारा यह घोषित किय	ा जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	158/1	0.012
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	:	157	0.109
·	•	221/8 ग	0.049
अन्	रुस्ची	161	0.052
		222/6	0.061
(1) भूमि का वर्णन-		370	0.012
(क) जिला-जांजगीर-	-चापा (छत्तीसगढ़)	162/1·	* 0.020
(ख) तहसील-डभरा (स) नगरणाः ननगर		222/2	0.182
(ग) नगर/ग्राम-कुसम् (घ) लगभग क्षेत्रफल-		362/4	0.024
(3) (1) 11 (13 4)	-4.703 69541	221/17	0.024
खसरा नम्बर	रकवा .	221/8 ख	0.098
,	. (हेक्टेयर में)	221/8 क	0.049
(1) .	(2)	221/9	0.032
•		375/1	0.020
131	0.194	190/1 ग	0.020
134	0.045	221/10	0.065
132/3	0,008	221/2	0.053
133/3	0.149	221/7	0.182
133/1	0.064	221/4	0.109
144	0.113	221/5	0.049
143/2 133/4	0.073	221/11	0.020
19914	0.028	220/1	0.073

(1)	(2)	जांजगीर-चाम्पा, दिन	क 8 मई 2003
		क्र. 604/सा-1/सात.—चूंकि राज्य	। शासन को इस बात का समाधान
	0.028 .	हो गया है कि नीचे दो गई अनुसूची	के पद (1) में वर्णित भूमि की
	0.008	अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित	सार्वजनिक प्रयोजन के लिए
- ;	0.024	आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अ	धनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
•	0.094	1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम	. 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत
	0.141 0.086	इसके द्वारा यह घोषित किया ज	ता है कि उक्त भिम की उक्त
•••	0.194	प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-	
	0.134 0.077	. Added de les ouderstantes.	•
*****	0.077	24-44-	- 1
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	0.049	. अनुसू	역! ·
	0.016		
·	0.081	(1) भूमि का वर्णन-	
_ •	0.020	्क) जिला-जांजगीर-चां क्रिका-जांजगीर-चां	पा (छत्तीसगढ़)
	0.032	(ख) तहसील-मालखरौद	
	0.008	(ग) नगर/ग्राम-सपिया, प	
,	0.028		
·-	0.008	(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.	४३४ हक्टपर
	0.028		
# * -: -	0.020	खसरा नम्बर	रकबा
	0.049		(हेक्टेयर में)
	0.053	(1)	(2)
	0.105		
	0.004	1261/1	0.040
	0.008	1261/3	0.109
363/4	0.012		0.004
363/1	0.028	1261/2	
363/3	0.036	1244/3	0.004
360/2	0.040	1204	0.057
395/1	0.003	1210/3, 4	0.020
396/1, 3	0.057	1210/2	0.020
394/1	0.057	1259/1	0.081
417	0.008	1258/1	0.008
416/1	0.045	1243	0.073
421/2	0.032	1258/2	0.020
416/2	0.008		0.057
413	0.117 0.271	1258/3	
465/1	0.27 1	1257/2	0.065
· 466/1	ა.024	1240/2	0.097
369/1 क 280	0.291	1240/1	0.020
280	V.27.	1240/6	0.032
	4.965	1240/5 ⁴	0.028
योग 85	4.905	1239/3	0.036
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1205	0.073
(2) (11)	आवश्यकता है-बढ़े	1197/3	0.061
मुङ्गार सब डि. वाय.		1210/1	0.045
		1212/1	0.045
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-3			0.016
परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किय	ा जा सकता है.	1212/3	

(2)	खसुरा नम्बर	रकबा
	•	ै (हे क्टे यर में)
0.008	(1)	(2)
0.012		
0.020	1091	0.045
0.028	• 1093/2	0.186
	1120/2	0.032
	1081/4	0.016
	1121	0.049
0.045	1155	0.028
- 0.016	1142	0.081
0.036	1122	0.016
0.040	1154/1	0.045
	1153/2	0.028
	1136	0.024
	1154/3	0.057
0.028	1153/1	0.004
0.040	1137/1	0.117
0.012	1141 .	0.065
•••	1137/2	0.073
1.438		
	याग 16	0.866
	0.008 0.012 0.020 0.028 0.057 0.045 0.016 0.036 0.040 0.045 0.040 0.028 0.040 0.012	0.008 (1) 0.012 0.020 1091 0.028 1093/2 0.057 1120/2 1081/4 0.045 1155 0.016 1142 0.036 1122 0.040 1154/1 0.045 1136 0.040 1154/3 0.028 1153/1 0.040 1137/1 0.012 1141

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सपिया माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 605/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उक्षेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-खोथर, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.866 हेक्टेयर

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सिरियागढ़ माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

• जांजगीर-चाम्पा, दिनांक ८ मई 2003

क्र. 606/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-तेन्दुमुड़ी, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.697 हेक्टेयर

खसरा नम्बर .	. रकबा	जांजगीर-चाम्प	ा, दिनांक 8 मई 2003	
•	(हेक्टेयर में)		•	
(1)	(2)	हो गया है कि नीचे दी गई अ	के राज्य शासन को इस बात का समाधान नुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की	
399/2	0.061	अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1		
391/1	0.149	• अविश्यकता है. अतः भू-अप	ान आधानयम्, 1894 (क्रमाक । सन् ग्रनियम्, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	
389/2	0.057	नाके नाम यह घोषा कि	त्या जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	
76/1	0.036	प्रयोजन के लिए आवश्यकता		
390 .	0.028	्रयाणन काराष्ट्र जावस्यकता		
388 .	0.057 •			
387/2	0.012		ननुसूचा -	
385/3	0.049	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•	
		(1) भूमि का वर्णन-		
387/1	0.032	(क) जिला-जांजर्ग	ोर -चां पा (छत्तीसगढ़)	
385/2	0.045	(ख) तहसील-डभ	रा .	
66/3	0.045	(ग) नगर∕ग्राम-खो	धर, प. ह. नं. 8	
67/2	0.061	(घ) लगभग क्षेत्रफ		
71/4	0.040			
71/3	0.036	स्थाग नार्यः	रकबा	
71/2	0.061	खसरा नम्बर	(हेक्टेयर में)	
76/3	0.036		·	
63	0.182	(1)	(2)	
64				
70		1079/5	0.105	
	0.036	1082/1	0.101	
61/2		1083/1 1083/2	0.085 0.081	
79/2	0.028	1091	0.129	
79/5	0.004	1090	0.093	
80/1	0.061	1096/7	0.045	
80/3	0.036	1096/1	0.028	
81/3	0.008	1096/9	0.053	
81/1	0.004	1096/8	0.020	
81/3	0.004	1116	0.069 0.085	
80/2	0.036	1114/1 <u>.</u> 1108/1	0.028	
89/2, 3	- 0.004	1108/2	0.028	
80/4	0.061	1108/3	0.028	
		1108/4	0.032	
105	0.364 +	1108/5	0.032	
69	0.036	1109/1	0.049	
71/8	0.028	1103	0.045	
		योग	1.136	
31	1.697	બાય 	1, 150	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-रतापाली सब डि. वाय.

योग

- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.
- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-रतापाली सब डि. ब्यू. नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

	C-i	•		_
जाजगीर-चाम्पा, ⁻	दिनांक 8 मई 2903		(1)	(2)
	राज्य शासन को इस बात का समाधान		50/2	0.052
	ची के पद (1) में वर्णित भूमि की		333	0.085
	खत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए		338	0.052
आवश्यकता है. अतः भू-अजन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्		339	0.012
१८९४) संशाधित भू-अजन आधान स्टब्स्टेंट हार सह घोषित हिस्स	यम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत जाता है कि उक्त भूमि की उक्त		340/2	0.008
इसक द्वारा पह : बा।पत ।कया प्रयोजन के लिए आवश्यकता है		•	337	0.008
× 1011 11 1015 0111011111111111111111111	•		370/3	0.052
,अन	प्रमी		341	0.016
) i	<u>, सूची</u>		136	0.008
(1) भूमि का वर्णन-				•
() भूम का पणन- (क) जिला-जांजगीर-	-सांग्र (क्रसीक्यंट)	योग	31	1.402
् (ख) तहसील-डभरा (ख) तहसील-डभरा	नाम (छपायगण्)			
(य) नगर/ग्रीम-धौराभ	ाता पहनं 12		ı	. •
(घ) लगभग क्षेत्रफल-				रेडा माइनर-II
\$ 12 31 113 22 100				
खसरा नम्बर	रकबा		134/1	0.020
	(हेक्टेयर में)		134/2	0.024
· (1)	(2)		141	0.024
	गइनर-I		143	. 0.020
135/2	0.097		144/1	0.028
135/1	0.154		144/2	0.020
134/1	0.101		145/2	0.024
122/1	0.048		145/1	0.028
122/2	0.048		150	0.127
123	0.101		151/2	
119 - •	0.036			0.012
. 118	0.040		151/3	0.048
117	0.044	-	151/4	0.048
116/3	0.036		152/2	0.024
116/2	0.036		142	0.032
116/1	0.028		153/1	0.024
114/3	0.040			
114/6	0.020	योग	15	0.503
114/4 +	0.032			
114/8	0.016	कुल य	गेग 46	1.905
114/10	0.016			
64/3	0.016	(2) सार्व	जिनिक प्रयोजन	न जिसके लिये आवश्यकता है-रेड़ा
, 64/4	0.012	1 37	ार, 2 आर, एच	ा. आर. सी. एच.
65	0.076			•
52	0.064	(3) भि	(का नक्शा (प्ल	॥न) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारो,

(2)

0.032

जांजगीर-चाम्पा,	टियांक	0	रार्थ	2002
जाजगार-चान्पा,	ादनाक	8	45	2003

क्र. 609/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि को उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-नवापारा, प. ह. नं. 10
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.447 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा .
	•(हेक्टेयर में)
(1)	·(2)
	1
82/4, 2	0.028
82/2	. 0.016
39	0.061
40/1	
41/1	
42	0.053
43/1 .	0.073
43/2	0.024 .
68/1	0.045
44/7	0.145
44/6	0.053
68/2	0.004
69	
70	
68/8	0.032
66	0.069
68/6	0.036
64/1	0.049
234/6	0.049
64/2	0.032
157/3	0.032
225/3	0.020

157/1	0.049
168	0.032
236/1 ग	0.032
159/3	0.045
167	. 028

(1)

166

योग

38

238	0.016
239	0.008

225/2		0.065
224/1	·	0.040

236/1 ख			0.040
232	•	,	0.004

. 233/3		0.008
235/1	*	0.053

235	0.045
234/1	0.053

237	0.020
240	0.016

(2) सार्वजनिक	प्रयोजन	जिसके	लिये	आवश्यकता	है-नवापारा
माइनर.					

1.447

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 611/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासँन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची		खसंरा नम्त्रर	रकवा (हेक्टेयर में)
≁ (1) भूमि का वर्णन-		(1)	(2)
() मूर्ग का पण्य- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छ	ਜੀਸ਼ਸਟ)		
(क) तहसील-डभरा	(الط، المُ	961/2	0.028
(म) नगर/ग्राम-छुहीपाली, प. ह	· ਜਂ 11	962/1	0.081
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.278 हे		1344	0.024
(व) लगमा संत्रकल-0.278 ह	4C4(960/2	0.012
खसरा नम्बरं	रकवा	969/5	0.040
अतरा गन्धर	(हेक्टेयर में)	969/6	0.028
(1)	(2)	. 971/4	0.036
	(2)	972/5	0.053
39/5	0.012	989	0.077
39/3	0.065	1368	0.376
39/4	0.005	2369	
44/4	0.040	2757	
415/3	0.121	2758/1	
448	0.040	2759/1	
110		2760	
योग	0.278	2759/2	0.049
		990	0.049
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये	आवश्यकता है-ठनगन	988/1	0.024
माइनर.		988/2	0.057
		1264/4	0.020
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू	I-अर्जन अधिकारी, हसदेव	1264/2	0.045
परियोजना जांजगीर के कार्यालय में रि	^	1264/1	0.089 -
	•	1262/2	. 0.057
ं जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8	मई 2003	1245/3	0.012
	, 2	1262/3	0.057
क्र. 612/सा~1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान		1246/2	0.141
हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की		1257	0.057
अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए		1248	0.004
आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनिय		1249	0.004
1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 198		1250	0.016
इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है	ाक उक्त भूमि का उक्त	- 1251/1	0.049
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—		1251/2	0.057
		1252/1	0.008
अनुसूची		1252/2	0.057
•		.1252/3	0.053
(1) भूमि का वर्णन-		1346/1	0.032
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (र	उत्तीसगढ़)	1346/2	0.045
(ख) तहसील-डभरा		1345/1	0.016
(ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. व		970	0.020
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.265	हेक्टेयर	1343/2	• 0.036
	,	1341/1	0.117
	•	1342	

(1)	(2)	. (1)	(2)
	\ -/	(1)	(2)
1354	0.016	29	0.125
1356/1	0.004	30/2	0.125
1356/2	0.040	30/1	0.024
1355		774/1	0.024
1360	0.109	32/3	0.012
1359/1, 2	0.061	36/1 ख	0.028
1359/3	0.109	31/2	0.065 0.145
		14/3	0.145
योग 42	2.265	14/2	· •
`		13	0.053
(2) सार्वजनिकः प्रयोजन जि	सके लिये• आवश्यकता है-डभरा	34/5	0.033
माइनर नं. 2.		36/1 П	0.065
		, 36/ 1 স	0.053
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का	निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव	36/4	0.053
	र्यालय में किया जा सकता है.	50/1	0.024
		1709/4	0.069
जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई 2003	36/1 क	0.057
		40/1 .	0.045
क्र. 613/सा-1/सात.—चूंकि	राज्य शासन को इस वात का समाधान	40/3	0.053
हो गया है कि नीचे दी गई अनुस	रूची के पद (1) में वर्णित भूमि की	39	0.069
अनुसूची के पद (2) में उल्ले	खित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	36/1 च	0.129
आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत र्		37/5	0.024
ाष्ट्रप्रेय) संशाधित भू-अजन आधाः न्याकेः नामः सह स्वेक्टिः निका	नथम, 1984 का धारा 6 के अन्तर्गत	37/1 ·	0.024
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	। जाता है कि उक्त भूमि की उक्त ं	519/1	0.032
त्रमाचन महाराष्ट्र आवस्यकता ह	· •— .	49/5, 6, 7	0.004
. 212	1112)	4973, 6, 7	0.089
जर्	पुरा	49/4	0.081
(4) 1250		49/1, 2, 3	0.121
(1) भृमि का वर्णन-		535	0.032
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)		. 534	0.012
(ख) तहसील-डभरा		1652	0.061
(ग) नगर∕ग्राम-डभरा,		533/2 ক	0.073
(घ) लगभग क्षेत्रफल-	-3.066 हक्टयर	529	0.065
		530/1	0.005
खसरा नम्बर	रकबा '	533/3 क	0.040
(1)	. (हेक्टेयर में)	521/1	0.069
(1)	(2)	533/4	0.061
704/2 3	0.045	531/2	0.032
784/2, 3	0.065	1605	0.032
784/1 783	0.121	531/1	0.040
	0.045	528	0.053
, 787 775	0.405	526/1	0.024
775	. 0.105	526/2	0.045
		,	V-V-75

	(1)		(2)	-
	523/1		0.020	
	521/3		0.036	
	520		0.040	
	1591	•	0.004	
	518/3		0.040	
	518/2		0.061	
	1600/1		0.101	
	1615 [.]		0.012	
	1604		0.053	
	518/1		0.061	
	1610/2	,	0.045	
	1611 .		0.040	
	1613		0.016	
	1709/3		0.065	
	1709/9		0.053	
योग	57		3.066	
	•			

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-ब्रान्च माइनर नं. 1.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भूनअर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 614/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह धोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर⁄ग्राम-बरतुंगा, प. ह. नं. 5
 - (घ्र) लगभग क्षेत्रफल-1.412 हेक्टेयर

₹	ब्रसरा नम्बर			रकबा
			-	(हेक्टेयर में)
	(1)	•	•	. (2)
•	963/1			0.012
	1045/1	•		0.109
	1045/4		_	0.061
	985		•	0.065
	984			0.040
	971			0.012
	983/1		•	0.012
	983/3			0.101
	980/2			0.076
	821/1		•	0.206
	972			0.012
	973/1			0.053
	837			0.028
	838			
	825/7			0.024
	974			0.089
	975/1			0.036
	975/3			0.045
	825/4	•		0.024
	831			0.008
	825/5			0.020
	825/3		•	0.028
	819			0:049
	820			0.076
	812/1			0.089
	813/3			0.137
योग	25			1.412

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-बरतुंगा ब्रान्व माइनर
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

अ	अनुसूची		
(1) भूमि का वर्णन- '(क) जिला-जांजगी (ख) तहसील-डभर (ग) नगर/ग्राम-ख़ुरह (घ) लगभग क्षेत्रप्रत	। भटी, प. ह. नं. 9		
खसरा नम्बर	रकवा (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)		
14/3 ख 14/3 क	0.061		
योग	. 0.061		

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-खुरघटी माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 616/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नांचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यूकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

1305

- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-डभरा, प. ह. नं. 10
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.470 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	•	रकवा
		(.हेक्टेयर में)
(1)		(2)

0.040

	(1)			· (2)··
	1289/3			0.137
	1289/1			0.089
	1289/2			0.113
	1290/1, 2			0.122
	1290/3			0.049
	1284/2		•	0.263
	1278/3			
	1278/4	•		;
	1279			0.085
	1280/3			0.057
	1280/1			0.053
	1269/1		• .	0.077 •
	1268			0.061
•	1264/7, 11.	•		- 0.125
	988/1			0.085
	1264/4			0.061
	1264/5			0.053
योग	16			1.470

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-ब्रांच माइनर डभरा माइनर नं. 2.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 617/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उक्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-ठनगन, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.924 हेक्टेयर

•	•	į
खसरा नम्बर	रकबा	(1) (2)
	(हेक्टेयर में)	
(1)	(2)	1233/2 0.012
		- 1233/4 0.008
505/3	0.036	1233/1 0.020
510/3	0.020	1217/1 0.004
510/2	0.036	V. 0.004
511	0.036	योग 1.924
512	0.081	1.724
513	0.053	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-छुहीपाली
515	0.040	सब डि. ब्यू.
516/2	0.028	& Control of the Cont
516/3	0.032	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव
530/1	0.077	परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.
529	0.061	तर्भवतास्थार क कापालय न किया जा सकता ह.
530/2		जांजगीर-चाम्पा, दिनांक,8 मई 2003
528	0.045	जानगरित्यामा, दिनाक, ८ मई २००३
526/2	0.008	क्र. 618/सा-1/सात.— चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान
575/1	0.020	हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की
575/3		अनुसूची के पद (2) में उस्त्रेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए
575/2	0.020	आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्
576	0.069	1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा ८ के अन्तर्गत
577	0.073	इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भीन की उक्त
524	0.040	प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :
578	0.020	
580/1	0.040	अनुसूची /
580/3	0.032	. 3 %
579	0.061	(1) भूमि का वर्णन
1216/1	0.202	(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
1216/4	0.113	(ख) तहसील-मालखरौदा
1217/7	0.049	· (ग) नग्ध्याम-तुलसीडीह, प. ह. नं. 10
1216/12	0.036	(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.850 ह्वेक्टेयर
1216/13		् । । । नाम अस्य ७.०५० (व्यट्यर
1216/7	0.053	खसरा नम्बर रक्तबा
1216/9	0.097	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
1217/6	0.049	(हेक्टेयर में) (1) (2)
1217/8	0.061	(1) (2)
1216/6	0.028	200/4 0.065
1216/8	0.057	2004
1224	0.004	200/6 0.061
	0.008	202/2 0.057
- 1223	0.049	200/7 0.016
525	0.008	200/8
1222	0.008	214/3 0.036
1227	0.049	214/5 0.024
1226/1 ख	0.081	214/6 0.053
1226/2		

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक	23 मई 2003	
•		

1182		छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक	तांक 23 म ई 2003		
• •	(1)	. (2)	(1)	(2)	
	•			0.016	
	210/1	0.149	372/4	0.016	
•	218	•	332/4	0.020	
	219/2	0.044	362/2	0.045	
	219/4	0.061	362/1	0.049	
	219/1	0.004	359	0.016	
	220	. 0.036	358	0.040	
	221/14	0.049	357/1	0.008	
	221/15	0.008	353	0.069	
	221/13	0.057	354/5	0.000	
	217	0.130	332/6	0.020	
			330	0.061	
योग		0.850	174	0.004	
			329/1	0.053	
		लिये आवश्यकता है-कुसमुल	323	0.065	
माइ	इनर नहर निर्माण हेतु. "	•	328		
			322	0.008	
		क्षण भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव	173	0.008	
परि	योजना जांजगीर के कार्याल	य में किया जा सकता है.	130	0.036	
			134/3	0.109	
	जांजगीर-चाम्पा, दिः	तांक 8 मई 2003	. 127	0.020	
			128	0.016	
हे न. 6	519/सा-1/सात.—चूँकि राष्	य शासन को इस बात का समाधान	129/1	0.040	
हो गया र	है कि नीचे दी गई अनुसूची	के पद (1) में वर्णित भूमि की	135	0.020	
अनुसूचा	कि पद (2) में उन्नाख	त सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	. 137	0.032	
		धिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	136/5	0.053	
1894 <i>)</i> t	तराग्रवत मू~अजनआयानप ग्रम सह घोषित किया उ	म, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत गता है कि उक्त भूमि की उक्त	136/3	0.049	
	के लिए आवश्यकता है :		138	0.020	
MANAGA	का रिष्ट् जानर नगता है ।	•	154/2	0.004	
	अनुस्	ची .	150/2	0.008	
	· •	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	154/3	0.028	
			168	0.012	
(1)	भूमि का वर्णन-		158 *	0.081	
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)		।पा (छत्तासगढ़)	159	0.081	
(ख) तहसील-डभरा			- 171	0.093	
(ग) नगर∕ग्राम-खोंधर, प. ह. नं. 8			172		
	(घ) लगभग क्षेत्रफल-1	.499 हक्टयर	156/1	0.028-	
			166/2	0.008	
	खसरा नम्बर	रकवा	. 169	0.008	
		(हेक्टेयर में)	170/1	0.061	
	(1)	(2)	162/2	0.020	
	•		167/4	0.028	
	371	0.008	166/5	0.045	

	•		: .
(1)	(2)	(1)	(2)
165	0.093	900/5	0.012
166/8	0.016	51	0.105
100/6	0.010	1047/3	0.008
योग 42	1.499	889/1	0.008
42	1.777	730/1	0.016
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिस [्]	के लिये आवश्यकता है-टेल	1204/4	0.125
	4. 1/14. 2112/12/11 6. 2/1	1409/1	0.012
माइनर.		1408	0.049
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का नि	रीक्षण भ-अर्जन अधिकारी, इसदेव	180	0.101
परियोजना जांजगीर के कार्या		175	0.040
नारवाजना जाजनार का काना		1407/3	0.012
जांजगीर-चाम्पा, वि	ट्रेनांक ८ मर्ड २००३	1407/1	0.049
जाजनार-जान्स, त	4 114 16 112 2005	1407/4	0.012
क 620/सा-1/सात.—चंकि र	ाज्य शासन को इस बात का समाधान	1406/2	0.012
हो गया है कि नीचे दी गई अनुस्	वी के पद (1) में वर्णित भूमि की	1200/1	0.016
अनुसूची के पद (2) में उल्लेखि	व्रत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	1293/2	0.012
आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन	अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	895/5	0.016
1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनि	यम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	957/2	0.004
	जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	54/2	0.036
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	:	153/1	0.081
		1293/3	0.020
अनु	सूची	1292/3	0.032
	•	1293/1	0.109
. (1) भूमि का वर्णन-	•	1291/2	0.049
(क) जिला-जांजगीर-	चांपा (छत्तीसगढ़)	1284/4	0.026
(ख) तहसील-डभरा		1285/2	0.053
(ग) नगर∕ग्राम-बरतुंग		1285/3	0.020
(घ) लगभग क्षेत्रफल-	-4.671 हेक्टेयर	1284	0.069
		. 1001	0.032
खसरा नम्बर	रकवा	. 1273	0.186
	(हेक्टेयर् में)	963/2	0.089
(1)	(2)	880/3	0.057
	•	879	0.065
900/6	0.008	877/1	0.081
80/3	0.061	875	0.060
181/2	0.061	877/2	
900/4	0.012	872/2	0.081
1275	0.120	872/1	0.020
· 1283 [•	888/3	0.020
157	0.024	888/1	0.008
900/3	0.004	947/2	0.008
900/1	0.008	895/4	0.004

79/3

0.044

(1)	(2)	(1)	(2)
		· .	9
895/1 895/6	0.024	721	0.065
899/2	0.016	723/2	0.036
899/3	0.020	723/1	0.020
899/5	0.008	· 724/5	0:020
899/1	0.008 0.024	730/2	0.012
956	0.008	731/2	0.012
946	0.012	731/1	0.016
955	0.012	179/1	0.040
947/1	0.008	181/1	0.028
927/2	. 0.012	183	
1057	0.004		0.061
961/1	0.008	181/4	0.045
1085	0.012	55	0.044 •
931	0.012	184	0.040
943/2	0.008	139/2	0.057
951	0.012	. 173/2	
960/2	0.012	139/1	0.008
148/2	0.008	140/3	0.073
961/2	0.016	172/2	0.061
720/1	0.040	• 141/1	0.032
56/1	0.053	172/5	0.057
1045/3	0.081	150/2	0.057
1046/4	0.020	162	
1039	0.146	44/3	0.057
1043	0.121		0.008
. 1040/1	0.008	160	0.093
989/3	0.012	161	0.012
993	0.020	158	0.057
991	0.032	153/2	0.024
1037 992	4.40	95/2	0.053
1016/2	0.036	154/2	
785/1	0.040	97/1	. 0.069
1016/3	0.040	80/2	0.081
996/2	0.020	43	0.040
1000	0.008	•	
1007	0.093	योग 120	4.671
1038	0.081		
720/2	0.081	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसवे	लिये आवश्यकता है-बरतुंगा
71	0.020	ेमाइनर.	i de la companya de l
72	0.020	. ·	•
70/2	0.001	(3) भिम का नवशा (प्लान) का नि	Hammer and arthur arthur

(3) भूमि का नवशा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

भाग 1]	छत्तीसगढ़ राजपत्र,	दिनांक 23 म	ई 2003	1185
जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2	2003		(1)	(2)
क्र. 621/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस वात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की		,	299/1	0.162
अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिव	क प्रयोजन के लिए '		312/4	0.053
आवंश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1:	894 (क्रमांक 1 सन्	•	312/2	0.036
1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि	धारा 6 क अन्तगत उक्त भमि की उक्त		312/3	0.093
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—	2. 11.00		326/1	0.073
				. 0.075
अनुसूची			327	
	•		375/4	0.093
(1) भूमि का वर्णन-	<u>. </u>		374/2	
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीस (ख) तहसील-डभरा	गढ़)	·	374/1	0.121
(ग) नगर/ग्राम-सिरियागढ़, प. ह. नं	•		374/3	0.016
(घ) लगभग क्षेत्रफल-3.468 हेक्टेय			381	0.109
			378/1	0.004
	(कबा		379/2, 4	
	स्टेयर में) (२)			0.020
	(2)		379/3, 5	0.016
3/1 0	0.097		380/2	0.065
	0.202	•	380/1	. 0.040
3/2	2.202	•	380/3	0.045
3/6 .	•		663/3, 4 [°]	0.024
	0.093	•	663/1	0.093
	.069	•		
).1 3 7).113		. 664/1	0.049
	.255		666/1	0.069
373/2			666/2	0.032
39/3	.109	:	666/3	0.032
	.117		666/4	0.032
•	.101		666/5	0.016
	.186		·	
	.020 .089	- योग	44 .	3.468
•	.020			
	.053		_	
	.036			के लिये आवश्यकता है-सिरियागढ़
ू 346/1 0.081 माइतर.				
	.053	(३) शक्ति	का सक्छा (१२००) ज	। निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव
	.077			। 1नराक्षण भू-अजन आधकारा, हसदेव र्यालय में किया जा सकता है.
289/3 0.	.065	1175	ાના પામપા લ્લા છ	ाचाराच च ।पापा णा संकाता ह.

क्र. 622/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हों गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-तेन्दुमुंडी, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.625 हेक्टेयर

•	
खसरा नम्बर	· रकबा
•	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
•	
391/1	0.089
384/1 क	0.141
393/2	0.024
391/3	0.129
394/2	0.020
398/2	
384/1 ख	0.040
383/2	_ 0.032
394/1	0.028
398/1	
395	
393/1 ⁻	0.073
381	0.049
382	
10	0.625
	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सुखापाली माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालग्र में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 623/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-तेन्दुमुंडी, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.409 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर (1)	•	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
	31/4		0.101
	315/1		. 0,004
	. 313		0.093
	310/2		0.049
	310/1		0.101
	309/3		0.061
योग	<u> </u>	 	0.409

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-सुखापाली माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

योग

35

(1)

(2)

12	45	
जानगान - स्वताम	12212 0 YE 1002	
diddill to diddi	दिनांक 8 मई 2003	

क्र. 624/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गईं अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उह्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता हैं :—

अनुसृची

- (1) भृमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-खाँधरा, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.393 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
P93/1	0.053
803/2	0.053
804/2	0.020
800	0.012
810	0.162
811	0.008
812/3	
809	0.012
817/2	0.049
817/1	0.049
793	0.089
792/1	0.036
783/1	0.008
786/1	. 0.008
787/1	
771	0.012
773	0.020
768	0.032
769	0.045
770	0.028
746/1	
774	0.016

		(-)
671		0.008
746/11		0.040
746/12		0.040
743		0.036
744		0.049
73 5		0.020
733/1, 2		0.053
720		0.024
673/1		0.045
673/6		0.040
674/6		0.008
674/7		
. 674/8	•	0.024
674/9		0.024
672/2		0.210
675/2		
602/15		0.020
734/2		0.040
•		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-खोंधरा माइनर.

1.393

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 625/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन- .
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-कुसुमझर, प. ह. नं. ९
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.117 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा
		(हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	· 58	0.154
	56	0.044
	6/1	0.077
	4	0.073
	3	0.044
	6/2 জ্ব	0.053
	5	0.101
	8/2 জ্ব	0.069
	8/2 क	0.113
	811	0.227
	813	0.162
योग	11	1.117

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-स्तापाली सब डि. वाय.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

क्र. 626/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-सिरियागढ़, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.441 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	.(2)
362/1	0.049
361	0.109
364	0.085
, 354	0.198
	•
योग 4	0.441

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-झनकपुर ब्रांची माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव . परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 627/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-सिरियागढ़, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.292 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
3/1	0.105
3/7	0.061

		······································		
((1)	. (2)	. (1)	(2)
:	3/5	0.061	188	0.012
;	3/3	0.065	166/1	0.036
		,	70/1	0.008
योग -	4	0.292	71	0.061
_		•	70/2	0.065
(2) सार्वजनि	क प्रयोजन जिसवे	क लिये आवश्यकता है-सुखापाली	72/2	0.049
ब्रांच मा			182/1	0.012
•	•		172/1	0.004
(3) भूमिका	नक्शा (प्लान) का र्	निरीक्षण भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव	172/2	0.024
		र्गलय में किया जा सकता है.	179/1	0.040
			180/3	0.016
	जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई 2003	72/1 ख	0.008
			179/2	0.109
क्र. 628/र	पा-1/सात.—चूंकि	राज्य शासन को इस बात का समाधान	179/3	0.109
		ूची के पद (1) में वर्णित भूमि की	179/4	
		खित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	176	0.024
		अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	175/1	0.036
१०५४) सरसार दमके हाम :	यत मू-अजन आधार यह घोषित किया	ायम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत । जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	174/1	0.040
	नर जानत । नाना लए आवश्यकता है		174/2	0.036
<i></i>	cry on action e	•	173/3	0.065
	अन	(स्ची	172/3	0.024
,		1/2/41	149	0.004
(1) ນມ ິ	का वर्णन-		168	0.073
		-चांपा (छत्तीसगढ़)	167/1	0.028
) तहसील-डाजगार- व) तहसील-डभरा	- चापा (छत्तासगढ़)	450/2	0.065.
· ·	•	, mar mario	166/3	0.028
	') नगर/ग्राम-कुसुम i) लगभग क्षेत्रफल-		165	0.028
(4	।) राजमा दात्रकरा	-2.029 हक्टपर	159/3	0.065
स्ट्रा	(। नम्बर	रकबा	160	0.053
GICIC	(1.1-4)	रकवा (हेक्टेयर में)	161	0.065
((1)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	386 ,	0.097
).	. 1)	. (2)	458	
	50		467	
:	58	0.154	387	0.085
6	1/1	0.053	388	•
6	0/1	0.008	457	
(62	. 0.130	448	0.004
	•	•	455	0.008
5		. 0.044	385	0.008
(69	0.028	459	
	•	•	466	

(1)

(2)

	389/1	
		0.028
	470	0.012 .
	453	0.057
	449 -	0.065
	544	0.004
	546	0.057
ोग	46	2.029

(3) भूमि का ननशा (प्लान) का निरोक्षण भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 629/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दा गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुपूची के पद (2) में उद्धेरिव्रत सार्वजनिक प्रयोजन के लिए जानस्यकता है. अतः भू-अर्जन-अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूगि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :--

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-डभरा
 - (ग) नगर/ग्राम-झनकपुर, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.198 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हैक्ट्रेयर में)
(1)	(2)
306	0.004
295/2	0.016
270/2	0.020

	,
307-	0.057
284/1	0.032
308	0.004
271/2	0.004
305	0.020
304/1	0.020
303/2	0.028
302/2	0.057
303/1	. 0.093
282/2	0.093
274/1	0,149
301	0.053
300/2	0.020
395/2	0.032
395/1	0.024
362/2	0.012
296	0.097
295/3	0.012
270/3	0.008
292	180.0
291	0.020
290/2	0.020
290/1	0.036
289	0.045
218/1	9.008
286	0.008
282	0.036
274/2	• 0.008
272/1	0.016
269	0.065
	1.198

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-झनकपुर ब्रांच माइनरः

योग

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन आंधकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एम. आर. सारधी, कलेवटर एवं पदेन उप-सचिव.